कोटद्वार, मंगलवार
11 मार्च 2025
वर्षः 46
अंकः 295 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

चारधाम यात्रा की सभी व्यवस्थाएं जल्द पूर्ण करें : धामी

ग्रीन चारधाम यात्रा अभियान शुरू करें और हेली टिकटों की कालाबाजारी पर लगाएं रोक

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले यात्रा से सबंधित सभी व्यवस्थाएं पूर्ण की जाएं। यात्रा के दृष्टिगत सड़क, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाए। चारधाम यात्राकाल के दौरान यातायात प्रबंधन और यात्रा मार्गों पर पार्किंग की उचित व्यवस्था की जाए। श्रद्धालुओं के लिए पंजीकरण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जाए। ग्रीन चारधाम यात्रा का अभियान शुरू किया जाए।

ये निर्देश मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में आगामी चारधाम यात्रा की तैयारियों की बैठक के दौरान अधिकारियों को दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड की चारधाम यात्रा पर देश और दुनिया की नजर रहती है। यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए हर स्तर पर कार्य किये जाएं। यह यात्रा राज्य की लाइफ लाइन है और आर्थिकी का बड़ा माध्यम है। मुख्यमंत्री ने पिछले साल की यात्रा में आई चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए आगे की योजना पर कार्य किये जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा मार्गों में श्रद्धालुओं के लिए हेल्थ स्क्रीनिंग टेस्ट की समुचित व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही पशुपालन विभाग समय पर घोड़े-खच्चरों का स्वास्थ्य परीक्षण भी करे। साथ ही यात्रा मार्ग पर घोड़े-खच्चरों के लिए पर्याप्त संख्या में गर्म पानी और चारे की व्यवस्था उपलब्ध रहे। यात्रा शुरू होने से पहले संकरे मार्गों का चौड़ीकरण और जिन स्थानों पर सड़क निर्माण से सबंधित कार्य चल रहे हैं, उन्हें पूर्ण किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि यात्रा मार्गों पर श्रद्धालुओं को अनावश्यक रूप से रूकना न पड़े। यातायात प्रबंधन की दृष्टि से रोकना भी पड़े, तो उन्हें सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि विजिलेंस द्वारा हेलीकॉप्टर टिकटों की कालाबाजारी रोकने के लिए सतर्क होकर निगरानी की जाए और संबंधितों पर सख्त कार्रवाई की जाए। यात्रा मार्गों पर शौचालयों की पूर्ण व्यवस्था के साथ पिंक टॉयलेट की भी पर्याप्त व्यवस्था की जाए। यात्रा मार्गों पर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा भी स्वच्छता अभियान चलाया जाए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, डॉ. धन सिंह रावत, दर्जाधारी मंत्री विश्वास डाबर, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के.सुधांशु, श्री आर. मीनाक्षी सुंदरम, सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और वर्चुअल माध्यम से चारधाम यात्रा से जुड़े जिलाधिकारी उपस्थित थे।

शीतकाल यात्रा स्थलों का मास्टर प्लान तैयार करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के शीतकाल यात्रा के स्थलों का मास्टर प्लान तैयार किया जाए। इनके आसपास के क्षेत्रों को भी विकसित किया जाए। गंगोत्री और यमुनोत्री के मास्टर प्लान पर भी कार्य किया जाए। 2026 में होने वाली नंदा राजजात और 2027 के कुंभ के लिए भी अभी से तैयारी करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये हैं।

नौकरी की शुरुआत करने वाले स्थानों को गोद लें अधिकारी

मुख्यमंत्री ने सभी आईएएस, आईपीएस और पीसीएस अधिकारियों से कहा कि उन्होंने राज्य के जिस तहसील, पुलिस थाने, ब्लॉक या अन्य क्षेत्रों से नौकरी की शुरुआत की है, उन्हें गोद लेकर उनके विकास में योगदान दें। अपनी नौकरी के शुरुआत के इन क्षेत्रों में रात्रि प्रवास कर जन समस्याओं का समाधान करें, सरकारी स्कूलों, अस्पतालों और अन्य संस्थानों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण भी करें।

एक नजर

खेत पर मिला खून से लथपथ व्यक्ति का शव

हरिद्वार। बहादरपुर जट में प्रधान के खेत से सोमवार को एक व्यक्ति का शव मिला। शव की शिनाख्त फेरुपुर निवासी बिजेन्दर पुत्र चन्दर के रूप में हुई। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल भिजवा दिया। पुलिस के अनुसार सोमवार सुबह ग्राम प्रधान राजेश बर्मा के खेत में एक व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। ग्राम प्रधान ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और व्यक्ति के शव को कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त कराई। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में भेज दिया है। पुलि के मुताबिक शव को देखने से प्रतीत होता है कि किसी ने उसकी हत्या की है व्यक्ति के चेहरे पर चोट के निशान व चेहरा खून से लथपथ दिखाई दे रहा है। फिलहाल पुलिस मामले में कई एंगल से जांच करने में लगी है साथ ही आसपास सीसीटीवी कैमरों की भी तलाश रही है ताकि पता लगाया जा सके कि व्यक्ति को खेत में किसने डाला और वह यहां कैसे पंहुचा है। एसओ पथरी रविन्द्र कुमार ने बताया खेत में मिले शव की पहचान फेरुपुर निवासी बिजेन्दर पुत्र चन्दर के रूप में हुई। मामले की जांच की जा रही है।

आज खुलेगी वाहन नंबर प्लेट की नई सीरीज

हल्द्वानी। वाहनों के नंबर प्लेट की नई सीरीज मंगलवार से खुलेगी। इसके बाद लोग अपने वाहन के लिए ऑनलाइन नंबर बुक करा सकेंगे। एआरटीओ प्रशासन विपिन कुमार सिंह ने बताया कि वर्तमान में निजी वाहनों के लिए चल रही यूके 04एपी सीरीज समाप्त होने वाली है। इसलिए अब यूके 04एक्यू सीरीज 11 मार्च से खोली जाएगी। बताया कि अपने नए वाहन के लिए मनपसंद फैंसी नंबर लेने के इच्छुक वाहन स्वामी नई सीरीज के नंबर ऑनलाइन बुक कर सकते हैं। इसके ऑनलाइन वेबसाइट के माध्यम से नंबर बुक कराए जा सकते हैं। बता दें कि विभाग ने फैंसी नंबर के लिए 2 हजार रुपये से लेकर 1 लाख रुपये तक की फीस तय की है। इसमें कई फैंसी नंबरों के लिए बकायदा ऑनलाइन नीलामी भी होती है।

बाइक और ई रिक्शा की टक्कर में एक की मौत

रुड़की। चुड़ियाला मार्ग पर स्थित स्वान मॉडल पब्लिक स्कूल के पास बाइक और ई–रिक्शा की भिड़ंत में रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। इसको आनन फानन अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार सोमवार सुबह चुड़ियाला मार्ग पर खेलपुर गांव के समीप स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल के पास रिक्शा और बाइक की टक्कर हो गई। इसमें ई–रिक्शा चालक 63 वर्षीय ईश्वर चंद निवासी चुड़ियाला घायल हो गया। तभी आसपास के लोगों ने उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

उप निरीक्षक रमेश सैनी ने बताया कि मृतक के शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही मृतक के परिजनों को भी मामले की जानकारी दे दी गई है। अभी किसी भी पक्ष की ओर से तहरीर नही मिली है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

श्रद्धालुओं ने मणिकूट पर्वत की परिक्रमा की

ऋषिकेश। पौराणिक मणिकूट परिक्रमा यात्रा सोमवार की सुबह पांडू गुफा की पूजा–अर्चना के साथ आरंभ हुई। परिक्रमा में बारह स्थलों पर सिद्ध द्वारों की विधिवत पूजा–अर्चना की गई। सोमवार को आत्मकुटीर आश्रम के संत राही बाबा के सानिध्य में मणिकूट परिक्रमा की शुरुआत लक्ष्मणझूला में पांडु गुफा स्थित प्रथम द्वार की पूजा के साथ की गई। पारंपरिक वाद्यों के साथ वैदिक मंत्रों से पूरा माहौल गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने हर–हर महादेव व बम–बम भोले के जयकारों से यात्रा का शुभारंभ किया। यात्रा में बारह द्वारों पर हुनमान, भगवान विष्णु, गरुड़, गुरु वृहस्पति, 64 योगिनी, माता काली, बाल कुंवारी माता, माता भुवनेश्वरी व उनकी सहयोगी शक्तियां माता कूष्मांडा, माता विध्यवासिनी, भगवान शिव के गण नंदी, वीरभद्र महादेव, भगवान गणेश व शिव के प्रधान गणों की पूजा की गई।

संसद में उठा वोटर लिस्ट का मामला

राहुल गांधी बोले– देश भर में उठ रहे सवाल, चर्चा करानी होगी

नई दिल्ली ,कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को लोकसभा में वोटर लिस्ट में गड़बड़ी पर चर्चा की मांग। रायबरेली से सांसद राहुल गांधी ने कहा कि इस मसले पर चर्चा करने की जरूरत है। कई और सदस्यों ने भी जब ऐसी ही मांग उठाई थी तो लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने चुटकी लेने के अंदाज में कहा था कि क्या वोटर लिस्ट सरकार बनाती है। यदि सरकार नहीं बनाती तो फिर यहां चर्चा करने की क्या जरूरत है। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि हम आपकी इस दलील को स्वीकार करते हैं कि सरकार मतदाता सूची नहीं बनाती। लेकिन हम इस मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हैं। गांधी ने कहा कि पूरा विपक्ष मतदाता सूची पर चर्चा की मांग कर रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि मतदाता सूची को पूरे देश में सवालों के घेरे में रखा जा रहा है। हर राज्य में विपक्ष ने एक स्वर में इस पर सवाल उठाए हैं, जिसमें महाराष्ट्र भी शामिल है। इससे पहले तृणमूल कांग्रेस के सदस्य सौगत रॉय ने कहा कि मतदाता सूची में कुछ खामियां हैं और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह बताया है कि मुर्शिदाबाद और बर्धमान संसदीय क्षेत्रों और हरियाणा में समान इलेक्ट्रॉनिक फोटो आइडेंटिटी कार्ड यानी [illegible] नंबर वाले मतदाता मौजूद हैं। रॉय ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल मतदाता सूची को लेकर अपनी चिंताओं से अवगत कराने के लिए नवनियुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से अगले साल पश्चिम बंगाल और असम में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची की पूरी तरह से समीक्षा की मांग की। टीएमसी के सांसद ने कहा कि वोटर लिस्ट में कुछ गंभीर खामियां हैं। उन्होंने कहा कि यह महाराष्ट्र के संदर्भ में बताया गया था, जहां मतदाता सूची में गड़बड़ी की गई थी।

अब सीता माता का भव्य मंदिर बनाया जाएगा, गांधीनगर में अमित शाह ने किया एलान

अहमदाबाद , केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के विकास में मिथिलांचल और बिहार के लोगों के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र प्राचीन काल से लोकतंत्र और दर्शन को सशक्त बनाने का केंद्र रहा है। अहमदाबाद में [illegible] मिथिला महोत्सव 2025 को संबोधित करते हुए अमित शाह ने यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने सीता माता का एक भव्य मंदिर बनाने का भी वादा किया। अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा, जब मैं लोकसभा चुनाव के दौरान बिहार गया था, तो मैंने कहा था कि राम मंदिर तो बन गया है, अब सीता माता का भव्य मंदिर बनाने की बारी है। उन्होंने आगे कहा कि यह मंदिर पूरी दुनिया को नारी शक्ति का संदेश देगा और यह बताएगा कि जीवन को हर तरह से आदर्श कैसे बनाया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री ने गुजरात में बसे मिथिलांचल और बिहार के लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे इस राज्य में पूरी तरह से सुरक्षित, सम्मानित और स्वागत योग्य हैं। उन्होंने गुजरात के विकास में उनके योगदान की विशेष रूप से प्रशंसा की। मिथिला की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए अमित शाह ने कहा कि यह भूमि रामायण और महाभारत काल से ही बुद्धिजीवियों की भूमि रही है।

पटाखे बनाते हुए ज्वालापुर में विस्फोट, एक गंभीर घायल

हरिद्वार। ज्वालापुर में सोमवार की सुबह आतिशबाजी के लिए पटाखे बनाते हुए समय विस्फोट होने से मकान की छत भर भराकर गिर गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। लोगों ने मलबे में दबे घायल को बाहर निकालकर एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा। डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर होने पर एम्स ऋषिकेश रेफर कर दिया। एसपी सिटी पंकज गैरोला ने बताया कि 46 वर्षीय आजाद अली पुत्र सरवर निवासी लोधामंडी ज्वालापुर मजदूरी करता है। साथ ही शादी विवाह में आतिशबाजी करने का भी काम करता है। सोमवार की सुबह वह घर की पहली मंजिल पर बने कमरे के अंदर आतिशबाजी के लिए पटाखे बना रहा था। अचानक पटाखे की सामग्री में विस्फोट हो गया। तेज धमाके साथ कमरे की छत गिर गई और दीवार भी टूट गई। विस्फोट के साथ ही मलबे में दबने से आजाद गंभीर रूप से घायल हो गया। धमाके की आवाज सुनते ही लोग घटनास्थल पर जमा हो गए।

प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है पाक माह–ए–रमजान के मौके पर लड़का शहरी और इफ्तार के समय फोड़ता बम था। बम फटने की वजह से बुरी तरह से घायल लड़के को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जबरदस्त धमाका हुआः लोगों का कहना है कि धमाका जबरदस्त था। आसपास के लोग डर गए। मौके पर कमरा पूरी तरह टूट गया। आजाद को लहूलुहान अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारों की माने तो हैंड ग्रेनेड बम की क्षमता के धमाके से इतना नुकसान होता है। जितना कमरे में बारूद के विस्फोट से हुआ है। जानकारों के अनुसार कमरे में बड़ी मात्रा में स्फोटक सामग्री रही होगी। सामग्री में एक साथ आग लगने से बड़ा धमाका हुआ।

पत्नी गई थी काम परः आजाद सुबह के समय ऊपर कमरे में अकेला था। पत्नी सिडकुल काम पर चली गई थी। बच्चे भी नीचे अपने चाचा के पास खेल रहे थे। बताया जा रहा है कि सुबह के समय पटाखें बनाते हुए। कमरे में विस्फोट हो गया। जिसमें आजाद गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दौरान गनीमत रही कि अन्य को परिवार का सदस्य विस्फोट की चपेट में नहीं आया।

मजदूरी कर चलता है परिवारः आजाद का परिवार गरीब है। आजाद की पत्नी सिडकुल की कंपनी में काम करती है। आजाद के दो छोटे बच्चें भी है। गुजर बसर करने के लिए आजाद मजदूरी करता है।

रमजान माह में आजाद सुबह और शाम के समय आतिशबाजी करता है। परिवार में छोटा भाई भी साथ रहता है। छोटे भाई की भी शादीशुदा है।

कोई 10 तो कई देता है 100 रुपये

रमजान माह के अंत में लोगों से घर घर जा कर आतिशबाजी के लिए रुपये इकट्ठा किए जाते हैं। हर साल आजाद और अन्य लोग घरों में पहुंच कर पटाखों के लिए रुपये एकत्रित करते हैं। किसी घर से पांच, तो किसी घर से 10 रुपये मिलते हैं। कुछ घरों से 50 और 100 रुपये भी मिल जाते हैं। इन रुपयों से आजाद रमजान में आतिशबाजी करता है।

तनिष्क शोरूम में लुटेरों ने बोला धावा, दिनदहाड़े 25 करोड़ के गहने कर दिए साफ

भोजपुर ,भोजपुर में आज सुबह एक सनसनीखेज वारदात में, हथियारबंद बदमाशों ने एक तनिष्क ज्वेलरी शोरूम को निशाना बनाते हुए करोड़ों रुपये के गहने लूट लिए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह लूटपाट सुबह करीब 10 बजे हुई जब सात की संख्या में बदमाश अचानक शोरूम में जबरन घुस आए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बदमाशों के शोरूम में प्रवेश करते ही वहां मौजूद ग्राहक और कर्मचारी भयभीत हो गए। रिपोर्ट्स बताती हैं कि बदमाशों ने बंदूक दिखाकर शोरूम में मौजूद लोगों को डराया और उन्हें एक कोने में इक्ा कर दिया। उन्होंने शोरूम के सुरक्षाकर्मियों से हथियार छीन लिए और उन्हें घुटनों पर बैठाकर असहाय कर दिया, जिसके बाद लूटपाट शुरू कर दी गई। प्रारंभिक अनुमानों के मुताबिक, बदमाशों ने लगभग 25 करोड़ रुपये के सोने और चांदी के गहनों की लूट की है। घटना के बाद, शोरूम कर्मचारियों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस की टीमें तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

इस सप्ताह बदलेगा मौसम का मिजाज

देहरादून। इस सप्ताह मौसम का मिजाज बदला हुआ रह सकता है। मंगलवार से दो दिन प्रदेश का मौसम शुष्क रहने की संभावना है। होली के अवसर पर पर्वतीय क्षेत्र में कहीं–कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। इस दौरान पिथौरागढ़, चमोली और रुद्रप्रयाग में हल्की वर्षा होने की संभावना है। मैदानी जनपदों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। सोमवार को दून में दोपहर तक हल्के बादल छाये रहे,लेकिन दोपहर बाद एक बार फिर मौसम खुला और धूप खिली रही। इस दौरान दून का अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक 29.0 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस अधिक 13.6 डिग्री सेल्सियस रहा। पंतनगर का अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस अधिक 29.1 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस अधिक 12.2 डिग्री सेल्सियस रहा। मुक्तेश्वर का

अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक 19.6 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री सेल्सियस रहा। टिहरी का अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम 19.0 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस कम 9.2 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि इस सप्ताह 15 मार्च तक मौसम बदला हुआ रहने की संभावना है।

उत्तराखंड में पहाड़ चढ़ने वाले वाहन चालकों को देनी होगी परीक्षा

देहरादून। उत्तराखंड में पहली बार चारधाम यात्रा पर आने वाले अन्य राज्यों के व्यावसायिक वाहन चालकों को पहाड़ चढ़ने से पहले वाहन चलाने की परीक्षा देनी होगी। इसमें पास होने पर ही उनके लाइसेंस में हिल एंडोर्समेंट (पर्वतीय मार्ग पर वाहन चलाने की अनुमति) किया जाएगा। अभी तक अन्य राज्यों से आने वाले व्यावसायिक वाहन चालकों को हिल एंडोर्समेंट कराने के लिए परीक्षा देना जरूरी नहीं था। वे केवल आनलाइन आवेदन और फीस जमा करने के बाद हिल एंडोर्समेंट करा रहे थे। इससे अनुभवहीन चालक भी चारधाम यात्रा में वाहन संचालन कर रहे थे, जिसे सुरक्षित नहीं माना गया है। राज्य में चारधाम यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में व्यावसायिक वाहनों का संचालन होता है। यात्रा पर

जाने वाले व्यावसायिक वाहनों को ग्रीन कार्ड जारी किए जाते हैं। इसके लिए वाहनों की फिटनेस व उसके कागजात देखे जाते हैं। सही पाए जाने पर इन्हें ग्रीन कार्ड जारी किया जाता है। बाहर से आने वाले व्यावसायिक वाहनों के लिए भी यही प्रक्रिया होती है, केवल उनके चालकों को अपने लाइसेंस में हिल एंडोरर्समेंट कराना होता है।

वाहन चालकों को देनी होगी परीक्षा

पूर्व में वाहन दुर्घटना होने की स्थिति में यह बात सामने आई कि नियमानुसार जिन चालकों ने अपने लाइसेंस में हिल एंडोर्समेंट नहीं कराया, उन वाहनों को दुर्घटना बीमा का भुगतान नहीं हो पाया। साथ ही ऐसे अनुभवहीन चालकों के वाहनों से दुर्घटना होने की आशंका भी बनी रहती है। इस क्रम में गत वर्ष हिल एंडोर्समेंट के लिए आनलाइन प्रक्रिया शुरू की गई। अब इस प्रक्रिया को और सख्त किया जा रहा है। इसके तहत पहली बार यात्रा में आने वाले वाहन चालकों को हिल एंडोर्समेंट कराने के लिए परीक्षा देनी होगी।यह परीक्षा ऋषिकेश व देहरादून के ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रेक पर ली जाएगी।

न्यूयॉर्क जा रही एयर इंडिया फ्लाइट में बम की धमकी, बीच रास्ते से वापस मुंबई आया प्लेन

न्यूयॉर्क , मुंबई से न्यूयॉर्क जा रही एअर इंडिया की एक उड़ान में बम रखे होने की सूचना मिलने के बाद इसे मुंबई वापस लाया गया। इस बारे में आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। विमान में 320 से अधिक लोग सवार थे और यह सुरक्षित रूप से मुंबई में उतर गया। सुरक्षा एजेंसियां इसकी जांच कर रही हैं। एअर इंडिया ने एक बयान में कहा,ह्यआज 10 मार्च 2025 को मुंबई–न्यूयॉर्क (जेएफके) उड़ान एआई 119 में संभावित सुरक्षा खतरे का पता चला। आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन करने के बाद, विमान में सवार सभी लोगों की सुरक्षा के हित में विमान को वापस मुंबई ले जाया गया। सूत्रों ने बताया कि विमान में बम रखे होने की सूचना मिली थी और इस बाबत विमान के शौचालय में एक पत्र मिला। एक सूत्र ने बताया कि बोइंग 777–300 ईआर विमान में चालक दल के 19 सदस्यों सहित 322 लोग सवार थे। एयर इंडिया के प्रवक्ता इस बारे में बताया कि आज 10 मार्च को मुंबई–न्यूयॉर्क (जेएफके) उड़ान भरने वाले एआई119 में उड़ान के दौरान संभावित सुरक्षा खतरे का पता चला। आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन करने के बाद, विमान में सवार सभी लोगों की सुरक्षा को देखते हुए विमान को वापस मुंबई ले जाया गया।

अलीगढ़ में अवैध रूप से रह रहे चार बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

अलीगढ़ , देश के अलग–अलग हिस्सों में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस ने उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में अवैध रूप से रह रहे चार बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में एक महिला भी शामिल है।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से फर्जी दस्तावेज भी बरामद किए हैं। यह सभी लंबे समय से अलीगढ़ जिले में थाना टप्पल क्षेत्र के अंतर्गत जट्टारी कस्बे में अवैध रूप से रह रहे थे। मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना टप्पल पुलिस ने कार्रवाई की और एक महिला समेत चार अवैध बांग्लादेशियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस अधिकारी अमित जैन ने बताया कि अलीगढ़ में थाना टप्पल पुलिस

ने भारत में अवैध रूप से रह रहे चार बांग्लादेशी नागरिकों को सोमवार को गिरफ्तार किया। आरोपियों में एक महिला भी शामिल है। उनकी पहचान मकसूद खां, मोहम्मद तौफीक, मोहम्मद साबिर और साहिना के रूप में हुई है। उन्होंने आगे कहा कि चारों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने बेनापोल बॉर्डर पार कर भारत में प्रवेश किया था। उन्होंने आगरा के रास्ते अलीगढ़ आकर अवैध रूप से रहना स्वीकार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से आधार कार्ड, कुछ मोबाइल सिम और फोन बरामद किए हैं। चारों आरोपियों के खिलाफ थाना टप्पल में संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है। आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। बता दें कि पिछले साल दिसंबर में उत्तर प्रदेश एटीएस ने अलीगढ़ से बांग्लादेशी नागरिक सिराज और उसकी पत्नी हलीमा को गिरफ्तार किया था। सिराज बांग्लादेश के फरीदपुर जिले के भांगा थाना क्षेत्र का रहने वाला था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सिराज ने दलालों की मदद से बेनापोल बॉर्डर पार करके भारत में प्रवेश किया था। इसके बाद उसने भारत के दस्तावेज और पासपोर्ट बनवा लिया।

दैनिक वेतनभोगियों और विशिष्ट जरूरत वाले बच्चों के लिए सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दैनिक वेतनभोगियों को नियमित किए जाने के मामले में हाईकोर्ट के आदेश का पालन न करने पर जम्मू–कश्मीर के अधिकारियों को फटकार लगाई है। कोर्ट ने इसे हठ का स्पष्ट एवं पाठ्यपुस्तक वाला उदाहरण बताया। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग में 14–19 साल तक काम करने वाले दैनिक वेतनभोगियों को नियमित करने के लिए हाईकोर्ट के 2007 के आदेश का पालन करने के बजाय, राज्य के अधिकारी उन्हें परेशान करने के लिए गुप्त आदेश पारित करते रहे।

पीठ ने क्या कहा?

पीठ ने सात मार्च को अपने आदेश में कहा कि हम यह मानने के लिए बाध्य हैं कि वर्तमान मामला राज्य के अधिकारियों/प्राधिकारियों द्वारा प्रदर्शित हठधर्मिता का एक स्पष्ट और पाठ्यपुस्तक वाला उदाहरण है। वे खुद को कानून की पहुंच से ऊपर और परे मानते हैं। कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों ने तीन मई, 2007 के हाईकोर्ट के सरल आदेश का पालन करने में लगभग 16 साल लगा दिए।

उनकी यह निष्क्रियता चौंकाने वाली और प्रथम दृष्टया अवमाननापूर्ण थी। इसलिए, पीठ ने हाईकोर्ट की खंडपीठ द्वारा लगाए गए 25,000 रुपये के जुर्माने में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और कहा कि अधिकारियों के साथ सख्ती से निपटा जाना चाहिए।

कोर्ट ने कहा कि हमें जिस बात की चिंता है, वह केवल वर्षों की देरी नहीं है, बल्कि यह अकाट्य तथ्य भी है कि बेचारे जो दैनिक

वेतनभोगी कर्मचारी हैं उनको याचिकाकर्ताओं द्वारा बार–बार रहस्यमय आदेश पारित करके परेशान किया गया है। इससे एकल जज द्वारा तीन मई, 2007 को पारित आदेश के वास्तविक महत्व और भावना की अनदेखी की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने महसूस किया कि हाईकोर्ट द्वारा 25,000 रुपये के प्रतीकात्मक जुर्माने में किसी भी हस्तक्षेप का औचित्य नहीं है।

विशिष्ट जरूरतों वाले बच्चों के लिए अध्यापकों की भर्ती का निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देशित किया है कि 28 मार्च तक विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के शिक्षण के लिए अध्यापकों के पदों को भरने के लिए अधिसूचित करें। जस्टिस सुधांशु धूलिया और के.विनोद चंद्रन ने पाया कि वर्ष 2021 के फैसले के बावजूद किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश ने निर्देशित पदों पर अभी तक नियुक्तियां नहीं की हैं। असल में ज्यादातर राज्यों ने तो ऐसे पदों को चिन्हित तक नहीं किया है।

नोएडा में जीएसटी डिप्टी कमिश्नर ने 14वीं मंजिल से कूदकर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

नोएडा ,गाजियाबाद में जीएसटी विभाग के डिप्टी कमिश्नर संजय सिंह ने सोमवार को आत्महत्या कर ली। उन्होंने नोएडा के सेक्टर–75 स्थित एपेक्स एथेना सोसायटी के 14वें फ्लोर से कूदकर अपनी जान दे दी। घटना के तुरंत बाद उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले में पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस पूरे मामले में आसपास लगे सीसीटीवी को भी खंगाल रही है। पुलिस जांच में सामने आया है कि संजय सिंह लंबे समय से कैंसर की अंतिम स्टेज से जूझ रहे थे। इस बीमारी के कारण वे गहरे तनाव में थे, जिसके चलते उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि उनकी तबीयत लगातार बिगड़ रही थी, जिससे वे मानसिक रूप से परेशान थे। संजय सिंह अपने परिवार के साथ रहते थे। घर में उनकी पत्नी के अलावा दो बेटे भी हैं। एक बेटा नौकरी करता है। थाना सेक्टर–113 पुलिस के अनुसार, संजय सिंह सेक्टर–75 की एपेक्स एथेना सोसायटी के ई टावर के फ्लैट नंबर 2004 में रहते थे।

बिहार के सुभाष शर्मा को तेलंगाना में मिली मौत की सजा

हैदराबाद। तेलंगाना के नलगोंडा की एक विशेष अदालत ने सोमवार को 2018 के ऑनर किलिंग मामले में एक भाड़े के हत्यारे को मौत की सजा और छह अन्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। एससी/एसटी अदालत ने छह साल पहले अनुसूचित जाति के युवक पी. प्रणय की हत्या के लिए बिहार के मूल निवासी सुभाष कुमार शर्मा को मौत की सजा सुनाई।

सरेआम की गई थी प्रणय की हत्या

प्रणय की सार्वजनिक रूप से उस समय हत्या कर दी गई, जब वह गर्भवती पत्नी अमृता और मां के साथ 14 सितंबर 2018 को मिर्यालगुडा के एक निजी अस्पताल से बाहर आ रहा था। यह हत्या सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। प्रणय ने ऊंची जाति की अमृता से विवाह किया था। वे बचपन के दोस्त थे। उनकी शादी 30 जनवरी 2018 को हैदराबाद के आर्य समाज मंदिर में हुई थी।

सम्पादकीय

अनुभवहीनता की परीक्षा

पहाड़ों में दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में परिवहन विभाग ने अब चार धाम यात्रा के दौरान भारी प्रदेशों से आने वाले वाहन चालकों के लिए एक खास तरह की परीक्षा का प्रावधान शुरू किया है क्योंकि संभवत है इसी यात्रा सीजन से शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए चालकों को परीक्षा देनी होगी और परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद उनके लाइसेंस में पहाड़ों पर वाहन चलाने की अनुमति अंकित की जाएगी। उत्तराखंड में यह व्यवस्था पहली बार शुरू की गई है इससे पूर्व अधिकांश वाहन चालकों के लिए हिल एंडोर्समेंट कराने के लिए परीक्षा देने की बाध्यता नहीं थी और वह केवल ऑनलाइन आवेदन और शुल्क जमा करने के बाद पहाड़ों में वाहन चलाने की अनुमति प्राप्त कर लेते थे। यह सरल प्रक्रिया में ऐसे वाहन चालक भी पहाड़ी मार्गों पर बड़े व्यवसाय बाहर चला लेते थे जिन्हें पर्वतीय क्षेत्रों में वाहन चलाने का अनुभव नहीं है। उत्तराखंड की कई दुर्घटनाओं में या स्पष्ट हुआ है कि चालकों की अनुभवहीनता बड़ी दुर्घटनाओं का कारण बनी है। चार धाम यात्रा शुरू होने के साथी निजी एवं व्यवसायिक वाहन ऑन का सैलाब पहाड़ी मार्गों पर दौड़ता है। यात्रियों की रजिस्ट्रेशन के दौरान ही व्यावसायिक वाहनों के लिए परिवहन विभाग ग्रीन कार्ड जारी करता है लेकिन इसमें भी चालक की पहाड़ों में वाहन चलाने की दक्षता का आकलन नहीं हो पाता था। हालांकि एक पक्ष यह भी रखा जा रहा है कि इस नई व्यवस्था से व्यावसायिक वाहन चालकों को दिक्कतों का भी सामना करना होगा क्योंकि पर्वतीय मार्गों पर वाहन चलाने की अनुमति की परीक्षा देहरादून एवं ऋषिकेश में आयोजित की जाएगी। यह निश्चित नहीं है की तत्काल वाहन लाने पर इन चालकों की परीक्षा हो पाएगी या नहीं? इस प्रक्रिया में ऐसे चालकों को सम्मिलित नहीं किया जाएगा जिनके पास पहले से ही पहाड़ों में वाहन चलाने की अनुमति प्राप्त है। जल्दी चार धाम यात्रा शुरू होने वाली है और सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता सड़क दुर्घटनाओं को रोकना है ताकि लोगों की जान सुरक्षित रह सके। चालकों की अनुभव हीनता का आकलन करना जरूरी है लेकिन साथ ही सड़कों की दशा और दुर्घटना संभावित क्षेत्र का चिन्हीकरण भी बेहद आवश्यक है। गत सीजन में चार धाम यात्रा के दौरान भी जाम की स्थिति भी पैदा हुई थी इसके बाद ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था शुरू की गई थी लेकिन वाहनों के सैलाब के आगे व्यवस्था प्रभावित होती देखी गई थी। चार धाम यात्रा के दौरान बाहरी प्रदेशों से काफी श्रद्धालु अपने वाहनों से आने की अतिरिक्त समूह के तौर पर बड़े व्यावसायिक वाहन लेकर आते हैं जिनमें कई बार ऐसे चालक ट्रैवल एजेंसी द्वारा भेज दिए जाते हैं जिनके पास पहाड़ों में वाहन चलाने का अनुभव नहीं होता। ऐसे चालकों की अनुभवहीनता के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ही परिवहन विभाग में व्यावसायिक वाहनों की चालकों के लिए सुरक्षा की दृष्टि से यह नई व्यवस्था शुरू करने का फैसला किया है।

डिजिटल लेनदेन को सुरक्षित बनाएं

महेश शर्मा

यह आंकड़ा चिंता जनक है कि,यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) से जुड़ी धोखाधड़ी की रकम 2023–24 में 1,087 करोड़ रुपये हो गई जो 2022–23 के 573 करोड़ रुपये से 85 प्रतिशत अधिक थी। अर्थात् देश के डिजिटल भुगतान परिदृश्य में इस असाधारण वृद्धि के साथ ही धोखाधड़ी के मामलों में भी इजाफा हुआ है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने हाल ही में संसद के सामने जो आंकड़े पेश किए वे इस बात की पुष्टि करते हैं। भुगतान संबंधी धोखाधड़ी के मामले भी 2022–23 के 7। 25 लाख से बढक़र 2023–24 में 13। 4 लाख तक पहुंच गए। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में भारत में यूपीआई भुगतान धोखाधड़ी के 6। 32 लाख मामले सामने आए। इनमें करीब 485 करोड़ रुपये की राशि शामिल थी। ये आंकड़े चिंताजनक हैं और भविष्य में इसका इस्तेमाल करने वालों को प्रभावित कर सकते हैं। डिजिटल भुगतान लेनदेन का कुल आकार 2017–18 के 2,017 करोड़ से बढक़र 2023–24 में 18,737 करोड़ हो गया। इस दौरान चक्रवृद्धि सालाना वृद्धि दर (सीएजीआर) 44 फीसदी रहा। इसी तरह समान अवधि में लेनदेन का मूल्य 11 प्रतिशत सीएजीआर के साथ 1,962 लाख करोड़ रुपये से बढक़र 3,635 लाख करोड़ रुपये हो गया।

चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में लेनदेन का आकार करीब 86। 59 अरब रहा जबकि कुल लेनदेन का मूल्य 1,669 लाख करोड़ रुपये का था। डिटिजल लेनदेन में यूपीआई सबसे बड़ा माध्यम था। कुल लेनदेन में यह करीब 80 प्रतिशत का हिस्सेदार रहा और कम भुगतान करने वाले लोगों का सबसे पसंदीदा माध्यम रहा। इस संदर्भ में भुगतान और लेनदेन को सुरक्षित करना सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है। अतीत में कई पहल की गईं ताकि देश में डिजिटल धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों को नियंत्रित किया जा सके। इसमें बहुकारक प्रमाणन व्यवस्था, रोजाना लेनदेन की सीमा और यूपीआई ऐप्लीकेशंस में इनक्रिप्शन तकनीक का इस्तेमाल किया गया। जैसे–जैसे तकनीक का विकास जारी है, साइबर अपराधी भी बेहतर से बेहतर सुरक्षा उपायों को बेधने में सक्षम होते जा रहे हैं। मैलवेयर और स्पाईवेयर के जरिये फिशिंग अटैक अब बहुत अधिक आम हो चुके हैं। जैसे–जैसे यूपीआई की पहुंच बढ़ रही है और वह विदेशों में भी सफलतापूर्वक काम कर रहा है तो यह महत्त्वपूर्ण है कि उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ाई जाए और लोगों को धोखाधड़ी से बचाया जाए। धोखाधड़ी से प्रभावी ढंग से बचने में उपभोक्ताओं का अनुभव और जोखिम की निगरानी शामिल है।

चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में लेनदेन का आकार करीब 86। 59 अरब रहा जबकि कुल लेनदेन का मूल्य 1,669 लाख करोड़ रुपये का था। डिटिजल लेनदेन में यूपीआई सबसे बड़ा माध्यम था। कुल लेनदेन में यह करीब 80 प्रतिशत का हिस्सेदार रहा और कम भुगतान करने वाले लोगों का सबसे पसंदीदा माध्यम रहा। इस संदर्भ में भुगतान और लेनदेन को सुरक्षित करना सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है। अतीत में कई पहल की गईं ताकि देश में डिजिटल धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों को नियंत्रित किया जा सके। इसमें बहुकारक प्रमाणन व्यवस्था, रोजाना लेनदेन की सीमा और यूपीआई ऐप्लीकेशंस में इनक्रिप्शन तकनीक का इस्तेमाल किया गया।

जैसे–जैसे तकनीक का विकास जारी है, साइबर अपराधी भी बेहतर से बेहतर सुरक्षा उपायों को बेधने में सक्षम होते जा रहे हैं। मैलवेयर और स्पाईवेयर के जरिये फिशिंग अटैक अब बहुत अधिक आम हो चुके हैं। जैसे–जैसे यूपीआई की पहुंच बढ़ रही है और वह विदेशों में भी सफलतापूर्वक काम कर रहा है तो यह महत्त्वपूर्ण है कि उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ाई जाए और लोगों को धोखाधड़ी से बचाया जाए। धोखाधड़ी से प्रभावी ढंग से बचने में उपभोक्ताओं का अनुभव और जोखिम की निगरानी शामिल है।

इसके साथ ही वित्तीय संस्थानों मसलन बैंकों आदि को तकनीकी कंपनियों के साथ तालमेल करके सुरक्षा, डेटा निजता और धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन में नए दौर के उपायों को शामिल करना होगा। ये फर्म्स धोखाधड़ी निरोधक डेटा एनालिटिक्स पर काम करती हैं और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और उन्नत अनुमान मॉडल की मदद से डिजिटल भुगतान में सुरक्षा जोखिमों और विभिन्न स्तरों पर धोखाधड़ी की आशंकाओं का पता लगाती हैं ताकि जोखिम कम किया जा सके। भारत डिजिटल लेनदेन में अग्रणी देश है। खासतौर पर कम मूल्य वाले लेनदेन में जिसने उपभोक्ताओं और छोटे कारोबारियों को असीमित लाभ दिए हैं। ऐसे में धोखाधड़ी को रोका ही जाना चाहिए। एनपीसीआई और वित्तीय संस्थानों दोनों को तकनीकी सुधार और उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए।

अमेरिका और यूरोप के बीच विवाद का फायदा भारत को मिलने की उम्मीद

अशोक शर्मा

यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध के कारण जिस तरह से अमेरिका और यूरोप के बीच विवाद बढ़ा है। उसका फायदा भारत को मिल सकता है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैए ने यूरोप को नए सिरे से तनावग्रस्त कर दिया। ऐसा पहली बार हुआ है कि नाटों के देश रूस या चीन की बजाय आपस में ही लडऩे लगे हैं। वैसे इस अभूतपूर्व स्थिति के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति ब्लादिमीर जेलेंस्की भी जिम्मेदार है। दरअसल, पिछले दिनों जिस तरह से ट्रंप और जेलेंस्की के बीच तीखी बहस हुई थी, उसके बाद ट्रंप प्रशासन ने यूक्रेन को दी जा रही सैन्य सहायता रोक दी है। अब इस बात की आशंका जताई जा रही है कि इससे यूक्रेन की सुरक्षा व्यवस्था अचानक ध्वस्त हो जाएगी और रूस के साथ उसका लडऩा मुश्किल हो जाएगा। 24 फरवरी, 2022 को रूस द्वारा पूर्ण युद्ध शुरू करने के बाद से संयुक्त राज्य अमेरिका ने यूक्रेन को 180 बिलियन डॉलर से अधिक की सहायता दी है, जिसमें से 66। 5 बिलियन डॉलर से अधिक की सैन्य सहायता शामिल है। अमेरिका ने रूस से जंग की शुरुआत के बाद से यूक्रेन की लगभग 20 फीसदी सैन्य आपूर्ति प्रदान की है, और इसमें सबसे घातक और महत्वपूर्ण उपकरण शामिल हैं। यूक्रेन को अमेरिका सिर्फ हथियार और गोला–बारूद ही नहीं बल्कि और भी बहुत कुछ देता रहा है। यूक्रेनी सैनिक मोर्चे पर संदेशों के आदान–प्रदान के लिए एलन मस्क के स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशन सिस्टम पर निर्भर हैं। रूस के अहम ठिकानों पर हमला करने के लिए भी यूक्रेन को अमेरिकी खुफिया एजेंसी से मदद मिलती है। अगर अमेरिका सैटेलाइट आदि से मिलने वाले डेटा को यूक्रेन के साथ साझा करना बंद करता है तो इससे रूस पर जवाबी हमला करने की यूक्रेन की क्षमता पर बुरा असर पड़ेगा। यूक्रेन के बाकी सहयोगी चाहकर भी इस मामले में उसकी मदद नहीं कर पाएंगे। यह कड़वी हकीकत है कि अमेरिका की मदद के बिना यूरोप भी उसकी बहुत दिनों तक मदद नहीं कर पाएगा। यह हकीकत जेलेंस्की भी अच्छी तरह समझते हैं। इसीलिए वो ट्रंप से अच्छे रिश्ते की गुहार लगा रहे हैं। हालांकि यूक्रेन के राष्ट्रपति को बड़बोलापन दिखाने से पहले यह सब सोचना था कि उनकी इस हरकत के कारण यूक्रेन और यूरोप का कितना नुकसान हो रहा है ?

बहरहाल, अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका और यूरोप के बीच की इस दरार से भारत को फायदा हो सकता है। दरअसल, नाटो में शामिल यूरोपीय देश मोटे तौर पर अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर करते हैं। नाटो की सुरक्षा के लिए अमेरिका ही सबसे ज्यादा खर्चा करता है। अब डोनाल्ड ट्रंप नाटो से भी निकलने के धमकी दे रहे हैं। यदि अमेरिका नाटो से हाथ पीछे खींचता है, तो यूरोपीय देशों को अपनी रक्षा स्वयं करनी होगी। उन्हें अपनी सेनाओं को मजबूत करने के लिए बड़ी मात्रा में हथियार और गोला–बारूद खरीदने होंगे। इसमें भारत एक बड़ा सप्लायर बनकर उभर सकता है। भारत तेजी से अपनी डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग और डिफेंस एक्सपोर्ट बढ़ा रहा है। यूरोपीय देशों के पास कम कीमत में हथियार खरीदने के लिए भारत एक बेहतर विकल्प होगा। जाहिर है भारत अपनी मजबूत डिफेंस इंडस्ट्री के साथ यूरोपियन यूनियन की डिफेंस इंडस्ट्री सप्लाई चेन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। दरअसल,भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट एक दशक पहले सिर्फ 2,000 करोड़ रुपये सालाना था, जो अब 21,000 करोड़ रुपये हो गया है। 2024 में कई कंपनियों ने गोला–बारूद मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट लगाने के लिए निवेश शुरू किया है। देश में कम से कम सात नए प्लांट लग रहे हैं, जो विभिन्न ग्रेड के गोला–बारूद का उत्पादन करेंगे। यूरोप से आने वाली डिमांड से हमारी डिफेंस इंडस्ट्री कई गुना बढ़ जाएगी। कुल मिलाकर अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां भारत के रक्षा निर्यात के लिए अपने आप अनुकूल हो रही हैं।

रेरा मकान खरीदारों को राहत नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने स्वागतयोग्य हस्तक्षेप किया है। न्यायमूर्तियों ने जो टिप्पणियां कीं, वे सबूत हैं कि रेरा मकान खरीदारों को तनिक भी राहत नहीं दिला पाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के 'फिरौती वसूली' जा रही है।पूर्व यूपीए सरकार के समय जब रियल एस्टेट विनियमन प्राधिकरण (रेरा) कानून पारित हुआ, तो उससे मकान खरीदारों में उंची उम्मीदें जगी थीं। कहा गया था कि अब आखिरकार ज्यादातर मध्य वर्ग के खरीदारों को बिल्डरों की तिकड़मों से मुक्ति मिलेगी। मगर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में जो जाहिर हुआ और उस पर न्यायमूर्तियों ने जो टिप्पणियां कीं, वे सबूत हैं कि रेरा मकान खरीदारों को तनिक भी राहत नहीं दिला पाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के 'लाचार मकान खरीदारों' से फिरौती वसूली जा रही है। कोर्ट ने जो सवाल पूछे हैं, उनमें एक यह भी है कि खरीदारों को रेरा से क्या राहत मिली है?हालांकि कोर्ट में सुनवाई एनसीआर से जुड़े मामलों की हो रही थी, लेकिन अंदाजा लगाया जा सकता है कि जो हाल यहां है, बाकी जगहों के खरीदारों की स्थिति उससे बेहतर नहीं होगी।

इसलिए सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों का संदर्भ बड़ा है। कोर्ट ने सीबीआई से कहा है कि वह बिल्डर– बैंक मिलीभगत की पूरी जांच करे। जजों ने इसके लिए विशेष जांच दल बनाने का आदेश दिया।अदालत ने कहा कि बिल्डरों और खरीदारों को कर्ज देने वाले बैंकों ने मिल कर खरीदारों के लिए मुश्किलें खड़ी की हैं। इनकी वजह से आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने में देर हुई है।कोर्ट ने खास चिंता उन मामलों पर जताई, जिनमें रियल एस्टेट कंपनियों ने दिवालिया प्रक्रिया शुरू कर दी है।मामला हजारों मकान खरीदारों की याचिका से कोर्ट के सामने आया है। इसमें ध्यान दिलाया गया है कि बैंक ऋण की रकम का भुगतान सीधे बिल्डरों को करते हैं। तब बताया जाता है कि फ्लैट सौंपे जाने तक ईएमआई बिल्डर चुकाएंगे।

अल्प पोषित और कुपोषित संख्या में कमी नहीं

रानू राजपूत

भारत ने भूख के खिलाफ जंग लगभग जीत ली है। लेकिन अल्प पोषित और कुपोषित संख्या में कमी नहीं आ रही है। इसलिए अब केंद्र और राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कुपोषण की समस्या से किस तरह देश को निजात मिले। भूख से जंग में केंद्र सरकार की लाभार्थी योजनाओं विशेष कर मुफ्त राशन की योजना ने बड़ी भूमिका निभाई है। अब सरकारों को कुपोषण दूर करने के बारे में फोकस करना होगा। दरअसल,खाद्य सुरक्षा एवं पोषण की स्थिति (सोफी) की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2020 और 2022 के दरम्यान 7। 4 करोड़ लोग अल्प पोषण के शिकार थे। 2023 में ग्लोबल हंगर इंडेक्स में 125 देशों के बीच भारत को 111वां स्थान दिया गया। यह सूचकांक बताता है कि किस देश के बच्चों में बौनेपन, दुर्बलता की समस्या और पोषण की कमी बहुत अधिक है। इससे यह भी पता चलता है कि उस देश की आबादी को रोजाना पोष्टिक भोजन मयस्सर नहीं हो रहा है। खास तौर पर महिलाओं और बच्चों में कुपोषण की समस्या ज्यादा है।

हाल ही में घरेलू खपत व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) 2022–23 के आंकड़े जारी किए गए, इस सर्वेक्षण के अनुसार भी गरीबों की रेखा से नीचे रहने वाले अधिकांश लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध नहीं हो रहा है। सर्वेक्षण में लोगों के दैनिक आहार के तरीके पर भी आंकड़े जुटाए गए हैं। इन आंकड़ों के अनुसार ज्यादातर लोग (56। 3 प्रतिशत) रोजाना तीन बार भोजन करते हैं, जबकि 42। 8 प्रतिशत दो बार भोजन करते हैं। केवल 0। 1 प्रतिशत को रोजाना एक बार भोजन मिलता है। कुल मिलाकर 99। 1 प्रतिशत लोग रोजाना दो या तीन बार भोजन कर पाते हैं। हालांकि ऐसे लोगों की भी काफी संख्या है जो स्वेच्छा से दिन में एक बार भोजन करते हैं। यह समझना जरूरी है कि 'आहार' या भोजन में स्नैक्स, नाश्ता या अन्य हल्के जलपान नहीं आते हैं। इससे संकेत मिलता है कि भारत में भूख की समस्या कम हुई है, लेकिन कुपोषण एक बड़ी समस्या है। दरअसल, 140 करोड़ आबादी वाले देश में 2। 5 प्रतिशत हिस्सा कुपोषित है। यानी देश के लगभग 3। 5 करोड़ लोग कुपोषण का शिकार हैं। सोफी 2024 रिपोर्ट में भूख के बारे में जानकारी नहीं है मगर इसमें यह जरूर कहा गया है कि 7। 4 करोड़ लोगों में पोषण की कमी है। यानी इनका खानपान कुपोषित लोगों से थोड़ा अच्छा है।

घरेलू खपत व्यय सर्वेक्षण 2022–23 में आहार की गुणवत्ता पर विचार नहीं किया गया, जबकि यह बहुत मायने रखती है। भूख को पूरी तरह समझने के लिए भोजन की मात्रा ही नहीं उसमें मौजूद पोषण की जानकारी मिलना भी जरूरी है। इसलिए भोजन की खपत और दिन में उसकी आवृत्ति अहम जानकारी उपलब्ध कराती है मगर आंकड़ों में भोजन की सामग्री और गुणवत्ता के बारे में विस्तृत जानकारी की कमी खलती है। दरअसल,आहार में मौजूद पोषण के बारे में जानने के लिए यह जानकारी जरूरी है। इसलिए भूख और खाद्य असुरक्षा का आकलन अलग–अलग होना चाहिए क्योंकि भूख भोजन की मात्रा से जुडी है और खाद्य असुरक्षा उसकी गुणवत्ता यानी उसमें मौजूद पोषण से। उपलब्ध आंकड़े भूख से छुटकारे का संकेत देते हैं, लेकिन इससे कुपोषण या अल्प पोषित लोगों की संख्या का पता नहीं चलता। जाहिर है सरकार को अल्प पोषित और कुपोषित लोगों की संख्या के बारे में अलग से डाटा जारी करना चाहिए।

भारत में केंद्र एवं राज्य सरकारों गरीबों को निःशुल्क अनाज उपलब्ध कराती हैं। मगर खाद्य सुरक्षा का असली मतलब पोषक तत्वों से भरपूर और स्थायी भोजन से है। भूख पूरी तरह खत्म करने के लिए हमें ऐसी नीतियां चाहिए, जो पोषक तत्वों से भरपूर भोजन के वितरण, उपलब्धता तय करने और उसे किफायती रखने में मददगार हो सकें। इसके लिए क्षेत्रीय विषमताओं की जानकारी होनी चाहिए और उनके हिसाब से कारगर समाधान तैयार होने चाहिए। कुल मिलाकर खाद्य सुरक्षा के बाद अब सरकारों का फोकस पोषण और पोष्टिक आहार की तरफ होना चाहिए।

केतिका शर्मा के ग्लैमरस गाने के साथ शुरू होगा रॉबिनहुड का प्रमोशन

साउथ अभिनेता नितिन की आगामी फिल्म रॉबिनहुड की रिलीज डेट जैसे–जैसे नजदीक आ रही है, वैसे ही फिल्म से जुड़ी कई जानकारियां भी सामने आ रही हैं। आज निर्माताओं ने फिल्म में केतिका शर्मा के डांस होने की पुष्टि एक पोस्टर के जरिए की। नितिन की नई फिल्म रॉबिनहुड एक एक्शन और कॉमेडी से भरपूर फिल्म होगी, जिसे कई बार किन्हीं कारणों से टाला गया है। अब फाइनली निर्माताओं के अनुसार, यह फिल्म 28 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म को वेंकी कुडुमुला ने निर्देशित किया है। इस फिल्म में साउथ अभिनेता नितिन मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म में नितिन के साथ पुष्पा फेस सॉन्ग किसिक अभिनेत्की श्रीलीला अहम भूमिका में नजर आएंगी।

रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में फिल्म के निर्माता रविशंकर ने कहा कि यह नितिन की सबसे शानदार फिल्म होगी। उन्होंने यह भी कहा कि नितिन और श्रीलीला की जोड़ी पोकिरी फिल्म के महेश बाबू और इलियाना की जोड़ी की याद दिलाएगी। फिल्म में खूबसूरत अभिनेत्री केतिका शर्मा एक खास डांस नंबर में नजर आएंगी। इस गाने की घोषणा पहले ही की जा चुकी थी, लेकिन फिल्म के टलने की वजह से इसे रिलीज नहीं किया गया। अब यह खास गाना 10 मार्च को रिलीज होगा। फिल्म निर्माताओं ने आज केतिका का एक शानदार डांसिंग मूव पोस्टर जारी किया है। गाने का शीर्षक है आधी धा सरप्रिसु, जिसके बोल चंद्र बोस ने लिखे हैं और डांस मूव्स शेखर मास्टर ने तैयार किए हैं।

पाकिस्तान ने पैसे खर्च किए, स्टेडियम बनाए, लेकिन टीम पर ध्यान नहीं दिया: कनेरिया

नई दिल्ली, पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उसकी मुख्य खामियों को उजागर किया है। चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की टीम मेजबान थी और टूर्नामेंट से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई थी। उन्होंने कहा कि पीसीबी ने इस बड़े आयोजन की मेजबानी पर बहुत पैसा खर्च किया, लेकिन टीम और उसकी तैयारियों पर ध्यान नहीं दिया। जब भारत ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया, तो पाकिस्तान की इस आयोजन के फाइनल की मेजबानी करने की उम्मीदें धराशायी हो गईं, जिसकी मेजबानी वह कर रहा था। पाकिस्तान और आईसीसी द्वारा तय हाइब्रिड फॉर्मूले के अनुसार, फाइनल लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम के बजाय दुबई में खेला गया। कनेरिया ने उन बातों को भी खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि भारत को फाइनल सहित अपने सभी मैच दुबई में खेलने का फायदा होगा और कहा कि ऐसी बातें समझ से परे हैं। सेमीफाइनल में जीत के बाद, भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी आलोचकों की आलोचना की थी,

आईपीएल में 2 साल के लिए बैन हो सकते हैं हैरी ब्रूक, इस बार नहीं मिलेगी कोई छूट

नईदिल्ली, इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का 22 मार्च से आगाज हो रहा है. इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स को झटका लगा है. इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी हैरी ब्रूक ने आईपीएल 2025 से अपना नाम वापस ले लिया है. पिछले सीजन भी ब्रूक ने आईपीएल से अपना नाम वापस ले लिया था. हालांकि इस बार उनका ये फैसला उनपर भारी पड़ सकता है, क्योंकि अब आईपीएल के नए नियमों के मुताबकि उनपर 2 साल का आईपीएल खेलने से बैन लग सकता है.

आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने हैरी ब्रूक को 6.25 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन अब उन्होंने आईपीएल 2025 नहीं खेलने का फैसला किया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक अगर आयोजक आईपीएल नियम का पालन करते हैं तो ब्रूक को पर आईपीएल खेलने पर 2 साल के लिए बैन लग जाएगा. हैरी ब्रूक ने 9 मार्च को सोशल मीडिया के जरिए फैंस को ये जानकारी दी. उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स की टीम और उनके फैंस से भी माफी मांगी. ब्रूक ने कहा कि उनके लिए यह काफी मुश्किल फैसला था. वह इस समय पूरी तरह से इंग्लैंड टीम पर फोकस करना चाहते हैं. ब्रूक ने आखिरी बार सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से आईपीएल 2023 में खेले थे. इससे पहले उन्होंने आईपीएल 2024 में निजी कारणों का हवाला देते हुए अपना नाम वापस ले लिया था.

ध्रुव विक्रम ने बाइसन के पहले लुक में अपना एथलेटिक साइड दिखाया

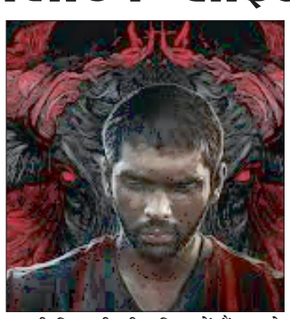

ध्रुव विक्रम की आगामी फिल्म बाइसन के निर्माताओं ने बहुप्रतीक्षित फर्स्ट लुक जारी कर दिया है। नीलम स्टूडियो के सहयोग से अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने इस रोमांचक स्पोर्ट्स ड्रामा का पहला लुक जारी किया है। पोस्टर में ध्रुव विक्रम को दो अलग–अलग लुक में दिखाया गया है। हालांकि, इन दोनों अवतारों में नायक को एथलेटिक बॉडी के साथ दिखाया गया है। अपने इंस्टाग्राम पर फर्स्ट–लुक पोस्टर शेयर करते हुए ध्रुव विक्रम ने लिखा, बाइसन। फर्स्ट लुक। बेबाक। अडिग। अदम्य। प्रशंसित मारी सेल्वराज द्वारा निर्देशित इस प्रोजेक्ट में ध्रुव विक्रम एक कबड्डी खिलाड़ी की भूमिका में हैं। उनके साथ अनुपमा परमेश्वरन भी हैं। यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और जुनून, लचीलापन और सभी बाधाओं के खिलाफ जीत की एक मनोरंजक कहानी पेश करती है। पिछले महीने, ध्रुव विक्रम ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म पर काम करने के बारे में अपने विचार साझा किए। उन्होंने फोटो–शेयरिंग ऐप पर लिखा, वर्षों की तैयारी, कई महीने के फिल्मांकन, खून–पसीना और आंसू बहाने के बाद, आखिरकार बाइसन की शूटिंग पूरी हो गई है। इस फिल्म की शूटिंग और तैयारी की प्रक्रिया ने मेरी जिंदगी बदल दी है। मेरी आत्मा को मजबूत करने और मुझे जीवन भर का अनुभव देने के लिए मारी सेल्वराज सर का शुक्रिया।

अभिषेक बच्चन की बी हैप्पी का पहला गाना सुल्ताना जारी

काफी समय से अभिषेक बच्चन अपनी आगामी फिल्म बी हैप्पी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान रेमो डिसूजा ने संभाली है। इस फिल्म में अभिषेक के साथ बाल कलाकार इनायत वर्मा नजर आएंगी। नोरा फतेही भी इस फिल्म में एक अहम भूमिका निभाने वाली हैं। अब बी हैप्पी का पहला गाना सुल्ताना रिलीज हो गया है, जिसमें नोरा जबरदस्त डांस करती दिख रही हैं। सुनिधि चौहान और मीका सिंह ने गाने को मिलकर गाया है। यह एक डांस ड्रामा फिल्म है, जिसमें अभिषेक के किरदार का नाम शिव रस्तोगी होगा। वह इसमें एक ऐसे पिता बने हैं, जो अपनी बेटी की ख्वाहिशों को पूरा करने के लिए कुछ भी कर गुजरने को तैयार रहता है। फिल्म में अभिषेक अकेले अपने बेटी की परवरिश करते दिखेंगे। बी हैप्पी का प्रीमियर 14 मार्च, 2025 से अमेजन प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है। जॉनी लीवर और हरलीन सेठी भी फिल्म का अहस हिस्सा हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी जीतते ही एक दूसरे को गले लगाते हैं दिखे विराट कोहली अनुष्का शर्मा

दुबई, भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी का ताज अपने सिर पर सजा लिया है. रविवार को दुबई में खेले गए फाइनल मैच में भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हरा दिया. इस बीच सोशल मीडिया पर विराट कोहली का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है. जिसमें वो भारत की जीत के बाद खुशी से झूमते नजर आ रहे हैं. क्रिकेटर ने जीत के बाद सबसे पहले क्या किया, वो मोमेंट भी कैमरे में कैद हो गया. इस वीडियो को देखने के बाद अब विराट और उनकी पत्नी एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा के फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है. एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा अपने पति विराट को सपोर्ट करने और पूरी टीम इंडिया की हौसला अफजाई करने के लिए मैच देखने मैदान में मौजूद थी. वहीं, चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद सबसे पहले विराट कोहली ऑडियंस में बैठी अनुष्का शर्मा की तरफ भागकर जाते हैं. वहीं अनुष्का भी उनकी तरफ दौडक़र जाती हैं और दोनों एक दूसरे को गले लगा लेते हैं. इसके बाद विराट अनुष्का का हाथ पक-डक़र उन्हें ग्राउंड की तरफ ले जाते हैं. दोनों का वीडियो खूब वायरल हो रहा है. बता दें, इस दौरान एक्ट्रेस डेमिन शर्ट और मैचिंग शॉट्स में दिखाई दी. अनुष्का शर्मा और विराट कोहली का ये वीडियो फैंस को खूब पसंद आ रहा है और वो कमेंट्स कर प्यार लुटा रहे हैं. एक यूजर ने लिखा– ये सिर्फ एक मूमेंट नहीं, सुकून है. दूसरे ने लिखा– वाह, जीत के बाद अनुष्का और विराट का गले लगना प्योर गोल्ड जैसा है, क्रिकेट के मैदान पर चमकता सच्चा प्यार. तीसरे ने लिखा– बहुत ही प्यारा कपल है.

एक नजर

प्रेमचंद्र अग्रवाल को मंत्री पद से हटाएं सरकार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : काबीना मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल द्वारा पहाड़ियों को लेकर दिए गए बयान पर उत्तराखंड क्रांति दल ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि प्रेम चंद्र अग्रवाल को मंत्री पद से हटाया जाना चाहिए। इस संबंध में उक्रांद ने विस अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण, मुख्यमंत्री व विधायक दलीप रावत को पत्र भेजा। कहा कि उन्हें सरकार के समक्ष प्रेमचंद्र अग्रवाल को मंत्री पद से हटाने का प्रस्ताव रखना चाहिए। इस मौके पर अनुशासन समिति व गढ़वाल मंडल प्रभारी महेंद्र सिंह रावत, गुलाब सिंह रावत, संजू कश्यप, हरीश द्विवेदी, भारत मोहन काला, विनोद कुमार, हरीश चंद्र द्विवेदी, संजू कश्यप आदि मौजू रहे।

वैश्य महासंगठन ने खेली फूलों की होली

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अखिल भारतीय वैश्य महासंगठन की ओर से बच्चों, बुजुर्ग व अन्य लोगों के साथ फूलों की होली खेली गई। इस दौरान संगठन के माध्यम से समाज सेवा को बेहतर रूप देने का भी संकल्प लिया गया। महासंगठन के अध्यक्ष राम प्रसाद जिंदल व महासचिव राजीव अग्रवाल के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महापौर शैलेंद्र रावत ने संगठन के कार्यों की प्रशंसा की। तनु मित्तल, नंदिता अग्रवाल ने कहा कि समाज के बेहतर निर्माण के लिए हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। कार्यक्रम में जीतू एंड पार्टी के कालाकारों ने शानदार रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। जिसमें राधा कृष्ण की फूलों की होली आकर्षण का केंद्र रही। बच्चों ने शानदार डांस की प्रस्तुति भी दी। इस मौके पर पार्षद कविता मित्तल, संजय मित्तल, अंजना गोयल, अतुल अग्रवाल, अंशुल जैन, दिव्यांशु अग्रवाल, वेद प्रकाश माहेश्वरी, विजय माहेश्वरी, विष्णु अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, सुमित गोयल आदि मौजूद रहे।

शिकायत का तत्काल संज्ञान लेते हुए कार्यदायी संस्था 15 दिन में मानकानुसार कार्य पूर्ण करें : डीएम

चमोली : ग्रामीणों द्वारा नैल पत्थरकटटा मोटर मार्ग घाढी गधेरा पर निर्मित पुल में की गयी लापरवाही को लेकर जिलाधिकारी से शिकायत की गयी थी। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने उपजिलाधिकारी गैरसैंण को इस पुल का निरीक्षण कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए थे।जिलाधिकारी ने बताया कि रिपोर्ट के अनुसार ब्रिज एण्ड रूफ कम्पनी के द्वारा नैल पत्थरकटटा मोटर मार्ग पर लाटी खर्क तोक के घाढी गधेरा में पुल बनाया गया है पुल के ठीक सामने खडी चट्टान होने कारण इस स्थान पर वाहनों का चलना संभव नहीं है और उसके आगे भारी मलबा गिरा है। पुल के बेसमेंट को भी समतल नहीं किया गया है जिससे आम जनता के साथ साथ जानवरों के जंगल ले जाने का रास्ता भी खतरनाक हो गया। जिसमें जानमाल का खतरा हो सकता है। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने आम जनमानस की सुरक्षा को देखते हुए प्रबंधक पीआईयू ब्रिज एण्ड रूफ कम्पनी व अधिशासी अभियन्ता पीएमजीएसवाई कर्णप्रयाग को तत्काल पुल एवं मार्ग को यातायात हेतु निर्धारित मानकों के अनुसार 15 दिन के भीतर सुचारू करने के निर्देश दिए हैं।(एजेंसी)

आशा और आशा फैसिलिटेटरों को दिया प्रशिक्षण

नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थत्यूड़ में आशा और आशा फैसिलिटेटरों के तीन दिवसीय एचबीएचसी–एचवीवाईसी प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को शुरू हो गया है। पहले दिन आशाओं को नवजात शिशु देखभाल, गर्भवती महिला टीकाकरण, गर्भावस्था के दौरान जटिलताओं का प्रबंधन, संस्थागत प्रसव और गृह–आधारित नवजात शिशु देखभाल सहित एचवीवाईसी जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी दी गई। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीषा भारती, जिला समन्वयक आशा कार्यक्रम गोवर्धन गोस्वामी, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक फूल दास भारती, ब्लॉक समन्वयक प्रमिला रावत, आशा फैसिलिटेटर सीमा नौटियाल ने आशाओं को ग्रामीण स्तर पर विभाग की प्राथमिक इकाई मानते हुए उन्हें टीकाकरण जैसे महत्वपूर्ण अभियान को सही तरह से संचालित करने का आह्वान किया।

वर्षा काल बीतने के बाद भी नहीं ली राष्ट्रीय राजमार्ग मरम्मत की सुध

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य बदहाल पड़ा है राष्ट्रीय राजमार्ग

कोटद्वार–दुगड्डा के मध्य वर्षाकाल में गायब हुआ राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : वर्षाकाल को बीते हुए छः माह से अधिक का समय हो चुका है। लेकिन, सरकारी सिस्टम ने अब तक कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग मरम्मत की सुध नहीं ली। नतीजा, कहीं पुश्ते ढहे हुए हैं तो कहीं गड्ढे रफ्तार पर ब्रेक लगा रहे हैं। 15 किलोमीटर का सफर चुनौती बनता जा रहा है। वाहनों का दबाव बढ़ने पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर लंबा जाम लग जाता है। साथ ही मिट्टी व धूल के कारण दोपहिया वाहन चालकों का भी दम घूट रहा है।

बीते वर्षाकाल के दौरान कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग जगह-जगह बदहाल हो गया था। पांच से अधिक स्थानों पर पहाड़ी से भारी मलबा सड़क पर आ गया था। वहीं, तीन से अधिक स्थानों पर सड़क किनारे का पुश्ता ही ढह गया था। वर्षाकाल के दौरान किसी तरह जेसीबी व पोकलैंड मशीनों से मलबा हटाकर यातायात सुचारु करवाया गया। जान हथेली पर रख सफर कर रहे यात्रियों को वर्षाकाल थमने के तुरंत बाद राष्ट्रीय राजमार्ग मरम्मत का आश्वासन दिया गया था। लेकिन, वर्षाकाल को बीते हुए छः माह से अधिक का समय हो चुका है और अब तक राष्ट्रीय राजामार्ग की स्थिति जस की तस ही बनी हुई है। वहीं, अब भी हल्की बारिश होने पर जगह-जगह खतरा बना हुआ है। कई स्थानों पर अब भी सड़क का हिस्सा ढहा हुआ है। तिलवाढांग पुलिस चौकी से दुगड्डा के बीच करीब बीस से अधिक डेंजर जोन बनें हुए हैं। इन डेंजर जोन से गुजरते समय वाहन चालकों की सांसें अटकी रहती हैं। कब पहाड़ी से गिरने वाला बोल्डर व मलबा वाहन चालकों के जीवन में भारी पड़ जाए, कहा नहीं जा सकता। वर्षाकाल के दौरान पहाड़ी से आए मलबे की मिट्टी लगातार राष्ट्रीय राजमार्ग पर उड़ रही है।

नहीं बनाई गई पुलिया

राष्ट्रीय राजमार्ग पर आमसौड़ से करीब एक किलोमीटर पीछे कोटद्वार की ओर राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर आवागमन के लिए पुलिया का निर्माण करवाया गया था। लेकिन, दो पुलिया में से एक पुलिया पिछले दो वर्षों से धराशायी पड़ी हुई है। नतीजा, उक्त स्थान पर स्थित एक पुलिया पर ही आवागमन का भार बढ़ गया है। लोगों की शिकायत के बाद भी राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने धराशायी पुलिया की मरम्मत की सुध नही ली। ऐसे में यदि दूसरी पुलिया भी धराशायी हो गई तो मैदान से पहाड़ का संपर्क कट जाएगा।

आशा फैसिलिटेटरों ने 30 दिन का मानदेय देने की उठाई मांग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : आशा फैसिलिटेटर एवं कार्यकर्ता संगठन ने विभिन्न समस्याएं हल करने की मांग की है। संगठन ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर जल्द समस्याएं हल करने की मांग की है। कहा कि संगठन पिछले काफी समय से समस्याओं के निराकरण की मांग कर रहे है, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सोमवार को मुख्यमंत्री को भेजे गए ज्ञापन में संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि आशा फैसिलिटेटरों द्वारा केंद्र व राज्य सरकार की स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने, महिलाओं को स्वास्थ्य व प्रसव के संबंध में जागरूक करने के साथ ही स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान करने, बच्चों का टीकाकरण करने का काम किया जा रहा है, लेकिन पिछले लंबे समय से आशा फैसिलिटेटरों की समस्याएं हल नहीं होने से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सीएम से आशा फैसिलिटेटरों को 25 दिन की मोबिलिटी के स्थान पर 30 दिन का निश्चित मानदेय देने, स्टेशनरी व यात्रा भत्ता देने, पीएलए व बीएचएसएनसी व महिला आरोग्य समिति बैठक का 800 करने, सामाजिक सुरक्षा के दृष्टिगत नियमावली से आच्छादित करने, प्रदेश में सभी आशा फैसिलिटेटरों को एक ही रंग की वर्दी देने, राज्य कर्मचारियों की तरह अवकाश की सुविधा देने, पल्स पोलियों ड्यूटी की धनराशि बढ़ाने, दुर्घटना या मृत्यु होने पर 10 लाख की धनराशि देने की मांग उठाई। आशा फैसिलिटेटरों ने सरकार से जल्द मांगों को पूरा करने की मांग उठाई है। इस मौके पर संघ की सचिव किरन चंदोला, संगीता पांडेय, संजू रावत, कृष्णा बिष्ट, ऊषा नेगी आदि शामिल रहे।

टिहरी झील रिंगरोड प्रभावितों का नहीं होने दिया जाएगा अहित: डीएम

नई टिहरी। टिहरी बांध की झील के चारों ओर बनने वाली रिंग रोड से प्रभावित काश्तकारों की समस्या सुनते डीएम मयूर दीक्षित ने कहा कि किसी भी परिवार का अहित नहीं होने दिया जाएगा। परियोजना बनने से यहां की भूमि की दरें बढ़ जाएगी। प्रभावितों को रिंग रोड के किनारे बनने वाले प्रतिष्ठानों में पहली प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने लोनिवि के अधिकारियों को भूमि अधिग्रहण को लेकर छोटी–छोटी समस्याएं हल करने के निर्देश दिए। सोमवार को प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी की देखरेख और डीएम मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जाख से डोबरा तक बनने वाले रिंग रोड (पर्यटन रोड) के प्रभावित गांवों जाख, जाख लग्गा ज्यूंदासू, राम गांव, तिवाड़ गांव के ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। उन्होंने कहा कि सर्वे के दौरान यदि किसी की परिसंपत्ति का मूल्यांकन नहीं हुआ हो तो उसे दोबरा किया जाएगा। व्यासायिक प्रतिष्ठानों के लिए वैध दस्तावेज दिखाने पर भुगतान किया जाएगा। उन्होंने लोनिवि के ईई जगदीश खाती को निर्देश दिए कि कट ऑफ डेट को लेकर जुलाई और अक्तूबर में दो दुविधा है, उसे भी हल किया जाए। कहा कि यह रोड़ बनने से इस क्षेत्र के विकास में नया अध्याय शुरू होगा। विधायक नेगी ने कहा कि जमीन का सर्किल रेट धारा–4 से पूर्व पिछले तीन साल की उच्चतम रजिस्ट्री के अनुसार करने, रिंग रोड़ के नीचे व उपर स्थित टिहरी डैम व सरकारी भूमि को प्रभावितों को उपलब्ध कराने, दुकानों व खोखों का भुगतान 42 हजार रूपये प्रति स्कवायर के अनुसार देने, 3 अक्तूबर 2024 को ड्रोन सर्वे को ही अंतिम कट ऑफ डेट मानने, कच्चे मकानों का 36 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर सक भुगतान के निर्देश दिए। कहा कि द्वितीय चरण में डोबरा से प्रतापनगर क्षेत्र की ओर रिंग रोड़ बननी है।

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में सलोनी रही प्रथम

चमोली : राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में पीजी कॉलेज कर्णप्रयाग की सलोनी ने एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। महाविद्यालय की एनएसएस स्वयंसेवी सलोनी व संध्या का चयन ओडिशा में 3 से 9 मार्च तक आयोजित हुए राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में उत्तराखंड टीम के लिए हुआ था। इस शिविर में विभिन्न राज्यों के स्वयंसेवियों ने भाग लिया। उनकी इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। एनएसएस राज्य समन्वयक डॉ. सुनैना रावत ने कहा कि सलोनी की यह उपलब्धि पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है। यह हमारे स्वयंसेवियों की मेहनत व समर्पण का प्रतीक है ' महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. वीएन खाली, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. चंद्रावती टम्टा, डॉ. हिना नौटियाल ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करना अनुशासन, परिश्रम व आत्मविश्वास का परिचायक है। सलोनी की यह उपलब्धि निश्चित रूप से एनएसएस इकाई के लिए गौरवपूर्ण है। (एजेंसी)

विद्यार्थियों को सेना में भर्ती होने के सिखाए गुर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में कैरियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को सेना में भर्ती होने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही सेना भर्ती के गुर भी सिखाए गए। कहा कि युवाओं को जानकारी अधिक से अधिक युवाओं तक पहुंचानी चाहिए।

सोमवार को आयोजित कार्यशाला में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य वक्ता कर्नल रंजीत सिंह पंवार ने रक्षा सेवाओं में प्रतिभाग करते के विषय में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि देश की सुरक्षा में सेना का बहुत बड़ा योगदान है। सेना में सेवा का अर्थ देश सेवा है, क्योंकि देश सेवा प्रत्येक भारतवासी का कर्तव्य है। कहा कि सेना की नौकरी, शारीरिक व मानसिक दृढ़ता का परिचायक है। साथ ही एनडीए, आईएमए, ओटीए, अग्निवीर आदि में प्रवेश के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यता के विषय में विस्तार से जानकारी दी। छात्र-छात्राएं अपनी अभिलाषा व योग्यता के अनुसार 27 वर्ष तक रक्षा सेवाओं में प्रतिभाग कर सकते हैं। कहा कि देश की रक्षा व शांति बनाए रखने हेतु हमें सदैव तत्पर रहना चाहिए। कार्यशाला के दौरान उन्होंने एनसीसी, एनएसएस व रोवर्स-रेंजर्स के विद्यार्थियों के साथ ही अन्य छात्र-छात्राओं के प्रश्नों का भी जवाब दिया। कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल की संयोजक डा. ऋचा जैन ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि हमें जीवन में अपना लक्ष्य तय करना चाहिए। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डीएस नेगी ने कहा कि छात्र-छात्राएं अपनी अभिलाषा व योग्यता के अनुसार 27 वर्ष तक रक्षा सेवाओं में प्रतिभाग कर सकते हैं। इसी कारण देश की रक्षा व शांति बनाए रखने हेतु हमें सदैव तत्पर रहना चाहिए। इस मौके पर डा. रमेश चौहान, डा. प्रवीण जोशी, डा. बीसी शाह, डा. भगवत सिंह रावत, डा. रश्मि बहुखंडी, डा. जुनिश कुमार, डा. अरुणिमा, डा. नीता भट्ट, डा. रोशनी असवाल, डा. अमित कुमार गौड़ आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते सदस्य

सर्वोदय सेवक मान सिंह की पुत्रवधु मंजू रावत सम्मानित

कोटद्वार में कण्वाश्रम ग्राम स्वराज्य समिति हल्दूखाता की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मंजू रावत को सम्मानित करते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बेहतर समाज सेवा के लिए कण्वाश्रम ग्राम स्वराज्य समिति हल्दूखाता की ओर से सर्वोदय सेवक मान सिंह रावत की पुत्रवधु मंजू रावत को सम्मानित किया गया। इस दौरान अन्य महिलाओं से भी समाज सेवा में आगे आने की अपील की गई।

समाज सेवी डा. सुरेंद्र लाल आर्य, कण्वाश्रम ग्राम स्वराज समिति के अध्यक्ष विनय किशोर रावत ने मंजू रावत को सम्मानित किया। कहा कि आज महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर समाज सेवा में अपना योगदान दे रही हैं। समाज में बेहतर कार्य करने वाली महिलाओं से अन्य महिलाओं को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। समाजसेवी डा. सुरेंद्र लाल आर्य ने कहा कि सर्वोदय सेवक मान सिंह ने सदैव समाजिक हितों को लेकर कार्य किया। उनकी पुत्रवधु भी उन्हीं के पदचिह्नों पर आगे बढ़ रही है। कण्वाश्रम ग्राम स्वराज्य समिति के अध्यक्ष विनय किशोर रावत ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने महिलाओं के हित में सती प्रथा, बाल विवाह व गैर-बराबरी का घोर विरोध कर विधवा विवाह, पुरुषों के समान अधिकार, वेद पढ़ने-पढ़ाने का अधिकार आदि के लिए संघर्ष किया। जिसे संविधान निर्माता डा. आंबेडकर ने अमलीजामा पहनाया। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता वयोवृद्धा शशिप्रभा नेगी व संचालन प्रीति रावत ने किया। इस मौके पर दमयंती देवी, गीता बिष्ट, किशन सिंह रावत, गौरव रावत, सुशीला देवी, आशा देवी, प्रशांत चौधरी, रामेश्वरी देवी, कांति देवी, संपत्ति देवी, प्रियांशी आदि मौजूद रहे।

शीतल जल, स्वच्छ हवा पहाड़ के गुण : प्रो. पंवार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राठ महाविद्यालय पैठाणी के सात दिवसीय एनएसएस के विशेष शिविर में एनएसएस स्वयं सेवियों ने नशा उन्मूलन, प्लास्टिक सहित अन्य प्रकरण का कूड़ा, सामाजिक कुरीतियों को लेकर जागरुकता अभियान चलाए। स्वच्छता अभियान चला लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि पहाड़ के निवासियों को पहाड़ के गुणों को समझना होगा। शीतल जल, स्वच्छ हवा पहाड़ के गुण हैं।शिविर में कुलदीप सिंह सर्वश्रेष्ठ और अखिलेश कुमार व मनीष सिंह विशिष्ट शिविरार्थी चुने गए। रविवार को राठ महाविद्यालय के एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि गढ़वाल विवि श्रीनगर में भूगोल विभाग के एचओडी प्रो. मोहन पंवार ने शिरकत की। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. जीतेन्द्र नेगी ने कहा कि शिविरार्थियों को क्षेत्र के ग्रामीणों ने अनुशासनात्मक जीवन के प्रति प्रोत्साहित किया। वह अनुकरणीय है। इस दौरान शिविरार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों देकर वाहवाही बटोरी। स्थानीय भागीरथी व टीना ने झावरी गीत पर शानदार प्रस्तुति देकर सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में डा. श्याम मोहन सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना को पचास गिलास दान स्वरूप प्रदान किए। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डा. देवकृष्ण थपलियाल ने ग्राम पंचायत कुटकंडई में आयोजित हुए एनएसएस के सात दिवसीय शिविर की गतिविधियों को सांझा किया। इस अवसर पर मुकेश गोदियाल, डा. वीरेंद्र चंद, क्रांति बल्लभ नौटियाल, विनोद सिंह चौहान, दीपक जोशी आदि मौजूद रहे।

बालिकाएं सीखेंगी आत्म सुरक्षा के गुर

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जिले के सभी ब्लॉकों से 30 बालिकाओं के वाहन को एक्सपोजर विजिट हेतु पुलिस प्रशिक्षण केंद्र नरेंद्र नगर टिहरी गढ़वाल भेजा गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी पौड़ी देवेंद्र थपलियाल एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी पाबौ चंद्रकांता काला ने हरी झंडी दिखाकर उन्हें रवाना किया। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में बालिकाओं को साइबर जागरूकता, सोशल मीडिया के समुचित प्रयोग, पॉक्सो ऐक्ट, आत्म सुरक्षा, पुलिस विभाग में चयन प्रक्रिया व प्रशिक्षण के बारे में बताया जाएगा। इस मौके पर सीडीपीओ रिखणीखाल कृष्णा, महबूब खान, कमला, सुषमा आदि मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नही होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	344-DRM-MB-24-25 dt. 10.03.25	346-DRM-MB-24-25 dt. 10.03.2025
Name of Work	Supply of ballast on cess in MB-CH & CH-HGJ sections under Sr.DEN/HQ/MB	Development and provision of office complex, boundary wall and sanitation work in STM workshop in south Colony/MB in the section of ADEN/HQ/MB.
Tender Closing Date Time	04.04.2025	04.04.2025
Advertised Value (Rs.)	1,96,39,500.00	1,17,03,100.14
Earnest Money (Rs.)	2,48,200.00	2,08,500.00
Tender Cost (Rs.)	Nil	Nil
Bidding Start Date	21.03.2025	21.03.2025
Period of Completion	06 Months	06 Months

टेन्डर नं- 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 10.03.2025 758/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हिंदू युवा वाहिनी ने फूंका जिहादियों का पुतला

कोटद्वार के झंडा चौक में जिहाद का पुतला फूंकते हिंदू युवा वाहिनी के सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में अनुसूचित जाति की किशोरी के साथ दुष्कर्म पर हिंदू युवा वाहिनी ने रोष व्यक्त किया है। सदस्यों ने जिहादियों का पुतला दहन करते हुए उन्हें फांसी की सजा देने की मांग की है। कहा कि हिंदू बेटी के साथ हुई इस घटना से समाज में रोष व्याप्त है।

हिंदू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष राजा नेगी के नेतृत्व में सदस्य झंडाचौक के समीप एकत्र हुए। यहां उन्होंने जिहाद के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया। यति परमात्मानंद गिरी महाराज ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में अनुसूचित जाति की किशोरी के साथ हुई दरिंदगी से हिंदू समाज में आक्रोश है। चार मुस्लिम युवकों ने किशोरी का अपहरण कर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। यही नहीं, किशोरी के हाथ पर लिखे ओम पर भी तेजाब डाला गया। उत्तर प्रदेश में हुई इस घटना ने बेटियों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। जिहादी देश में माहौल खराब करना चाहते हैं। कहा कि सभी आरोपितों को जल्द से जल्द फांसी की सजा दी जानी चाहिए। जिहादियों से बेटियों की सुरक्षा के लिए यदि सख्त कानून नहीं बनाया गया तो हिंदू समाज सड़कों पर उतरकर आंदोलन को मजबूर होगा। इस मौके पर हर्षित बाल्मीकि, आशु बाल्मीकि, विनय बाल्मीकि, ऋतिक बाल्मीकि, विवेक बाल्मीकि, प्रीत बाल्मीकि, हिमांशु बाल्मीकि, मयंक बाल्मीकि, ऋषि बाल्मीकि, तुषार शाह, लकी चौहान, हार्दिक सिंह आदि मौजूद रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी से मचा हड़कंप

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : होली पर्व को देखते हुए राजस्व प्रशासन की संयुक्त टीम ने खाद्य पदार्थों का निरीक्षण करते हुए सैंपल लिए। इस दौरान टीम ने छः सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे। इस दौरान टीम में शामिल अफसरों ने साफ सफाई रखने, गुणवत्तापूर्ण सामग्री ही बेचने के निर्देश दिए।सोमवार को जिला प्रशासन की संयुक्त टीम में शामिल खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने बस स्टेशन, धारा रोड, एजेंसी चौक में आधा दर्जन से अधिक दुकानों में छापेमारी करते हुए मावा, चॉकलेट, मिठाई, नमकपारा, गुजिया आदि के नमूने भर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे। टीम में शामिल खाद्य सुरक्षा अधिकारी रचना लाल ने बताया कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी। टीम में नायब तहसीलदार उपेंद्र राणा, राजस्व उपनिरीक्षक पंकज रावत आदि शामिल रहे।

कला प्रतियोगिता में सानिया और विज्ञान प्रदर्शनी में आशुतोष रहे अव्वल

नई टिहरी। समग्र शिक्षा और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) नई टिहरी के संयुक्त तत्वावधान में जनपद स्तरीय "सपनों की उड़ान" प्रतियोगिता 2025 का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ नगर पालिका नई टिहरी के अध्यक्ष मोहन सिंह रावत, मुख्य शिक्षा अधिकारी शिव प्रसाद सेमवाल और प्राचार्य डाइट श्रीमती हेमलता भट्ट द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। डायट में आयोजित इस प्रतियोगिता में सभी विकासखंडों से चयनित प्रतिभागियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों ने भाग लिया। जनपद स्तरीय सपनों के चित्र प्रतियोगिता में सानिया, जो राजकीय प्राथमिक विद्यालय नागराजाधार, विकासखंड थौलधार से हैं, ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, विज्ञान प्रदर्शनी में आशुतोष बडोनी, विकासखंड भिलंगाना ने प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा, स्टॉल संयोजन में उन्नति, विकासखंड नरेंद्र नगर ने जनपद स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। नाटक विधा में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय घोन, विकासखंड थौलधार ने पहला स्थान प्राप्त किया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, दुगड्डा (पौड़ी गढ़वाल)

पत्रांक 845 / निविदा/ 2024-25 दिनांक 10/03/25

निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिका परिषद, दुगड्डा द्वारा निम्न निर्माण कार्य हेतु पालिका के पंजीकृत ठेकेदारों से सीलबन्द निविदा दिनांक 24.03.2025 को अपराह्न 2.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा तद्दिनांक को अपराह्न 3.00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपस्थित निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी। निविदा के साथ निम्नानुसार धरोहर धनराशि एन0एस0सी0/एफ0डी0आर0 बतौर जमानत राशि के रूप में जो कि अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, दुगड्डा के नाम बन्धक हो, लगाया जाना आवश्यक है। निविदा के साथ 100/- का स्टाम्प पेपर रसीदी टिकट लगा संलग्न करना अनिवार्य है। सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेंगी। प्राप्त निविदाओं को बिना कारण बताये स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा। अन्य शर्ते व विवरण पालिका कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किये जा सकते है। निविदा फार्म पालिका कार्यालय में दिनांक 18.03.2025 से दिनांक 22.03.2025 तक कार्यालय समय/कार्यालय दिवस में प्राप्त किये जा सकते है। निविदा तिथि को अवकाश होने की दशा में अगले कार्य दिवस को निविदा तिथि माना जायेगा।

क्र. सं.	कार्य का नाम	मद का नाम	कार्य की लागत	धरोहर राशि 5%	कोटेशन प्रपत्र मूल्य	जी0एस0टी0 18%	कार्य पूर्ण तिथि
1	पालिका अन्तर्गत समस्त मार्गों की रैलिंगों पर पेन्टिंग कार्य।	राज्य वित्त	3.65 लाख	18,500	500.00	90.00	02 माह
2	वार्ड नं0-01 में पालिका द्वारा निर्मित दुकानों के आगे सी0सी0 प्लम एवं सुरक्षात्मक कार्य।	राज्य वित्त	6.16 लाख	31,000	1000.00	180.00	02 माह
3	पालिका कार्यालय भवन की मरम्मत एवं रंगरोगन कार्य।	राज्य वित्त	22.94 लाख	1,15,000	2000.00	360.00	02 माह

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, दुगड्डा

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, दुगड्डा

(0788/77)

एक नजर

भट्ट बने रुद्रप्रयाग भाजपा के जिला अध्यक्ष

रुद्रप्रयाग। भारतीय जनता पार्टी ने रुद्रप्रयाग जनपद में नए जिला अध्यक्ष की घोषणा कर दी है। अब तक पार्टी में जिला महामंत्री का पद संभाल रहे वरिष्ठ कार्यकर्ता भारत भूषण भट्ट को रुद्रप्रयाग का नया भाजपा जिला अध्यक्ष बनाया गया है। उनके अध्यक्ष बनते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें बधाइयां दीं। भारतीय जनता पार्टी में सांगठनिक चुनाव को लेकर बीते कई दिनों से प्रक्रिया जारी है। पहले मंडल अध्यक्षों का चुनाव किया गया और इसके बाद अब जिला अध्यक्ष का चयन किया गया है। प्रदेश चुनाव अधिकारी खजान दास के अनुमोदन एवं पर्यवेक्षकों की सहमति के बाद जिला चुनाव अधिकारी मुकेश कोली ने सोमवार को विधिवत नव निर्वाचित भाजपा जिला अध्यक्ष की घोषणा की। भारत भूषण भट्ट को रुद्रप्रयाग का भाजपा जिला अध्यक्ष बनाया गया है। इससे पहले भारत भूषण भट्ट भाजपा जिला महामंत्री के पद पर कार्यरात थे और भाजपा संगठन में अनेक पदों पर कार्य कर चुके हैं। वरिष्ठ भाजपाई होने के नाते उनके पास संगठन का लंबा अनुभव है। भट्ट के जिला अध्यक्ष बनने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी। कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन मजबूत और बेहतर कार्य करेगा। इधर, जिला अध्यक्ष का दायित्व मिलते ही भारत भूषण भट्ट ने प्रदेश संगठन का आभार जताया साथ ही भरोसा दिलाया कि पार्टी की रीति नीति और अपेक्षा के अनुसार संगठन में कार्य किया जाएगा। सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेते हुए संगठन की मजबूती पर ध्यान दिया जाएगा।

पर्वतीय क्षेत्रों में बसाए जाएंगे नए शहर : प्रेमचंद

देहरादून। शहरी विकास एवं आवास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में नए शहर बसाए जाएंगे। उन्होंने उत्तराखंड आवास एवं नगर विकास प्राधिकरण को इस संदर्भ में कार्यवाही शुरू करने के निर्देश दिए। सोमवार को मीडिया को जारी बयान में कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि राज्य गठन के बाद से राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में आज तक सिर्फ नई टिहरी को ही नए शहर के रूप में बसाया गया है। पर्वतीय क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के अभाव के कारण मैदानी क्षेत्रों में पलायन बढ़ रहा है। इस वजह से शहरों में यातायात और अवस्थापना सुविधाओं पर भारी दबाव है। ऐसे में राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में शहरों के विकास पर जोर दिए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आवास विभाग ने पर्वतीय क्षेत्रों में नए शहर बसाने की परिकल्पना पर काम करना शुरू कर दिया है। इसी के तहत आवास विभाग ने उत्तराखंड नगर एवं ग्राम नियोजन तथा विकास अधिनियम 1973 में संशोधन कराया है। उन्होंने बताया कि आवास एवं नगर विकास प्राधिकरण द्वारा नए शहरों की स्थापना के लिए विस्तृत अध्ययन के बाद पर्वतीय क्षेत्रों में नए शहर की स्थापना का काम शुरू कर दिया गया है।

नेशनल यूथ चैंपियनशिप में उत्तराखंड ने तीन पदक जीते

देहरादून। नेशनल यूथ चैंपियनशिप में उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने पहले ही दिन तीन पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। उत्तराखंड के लिए वॉक रेस इवेंट में तुषार, सिमरन गोसाईं ने रजत और ऋतुल परिहार ने कांस्य पदक जीता है। उत्तराखंड एथलेटिक्स संघ के सचिव केजेएस कलसी ने बताया कि प्रतियोगिता पटना में सोमवार से शुरू हुई है, जो 12 मार्च तक चलेगी। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड के तीनों खिलाड़ियों ने वॉक रेस में मेडल जीते हैं। पांच हजार मीटर वॉक रेस में तुषार पंवार ने रजत और ऋतुल परिहार ने कांस्य पदक अपने नाम किया। तुषार ने 21: 08:48 मिनट में रेस पूरी की, जबकि ऋतुल परिहार ने 21:14:97 मिनट का समय लिया। महिला वर्ग की 03 हजार मीटर वॉक रेस में उत्तराखंड की सिमरन गुसाईं ने रजत पदक जीता। सिमरन ने 14:00:29 मिनट में रेस पूरी की। वो हरियाणा की योगिता से मामूली अंतर से पीछे रह गई। कलसी ने बताया कि पहले ही उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने पदक जीते हैं।

फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार से मिले एसोसिएशन के प्रतिनिधि

देहरादून। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रांतीय पदाधिकारियों ने सोमवार को उत्तराखंड फार्मेसी काउंसिल के नवनियुक्त रजिस्ट्रार कलम सिंह फर्स्वाण से मुलाकाल की। एसोसिएशन की प्रांतीय अध्यक्ष सुधा कुकरेती के नेतृत्व में स्वास्थ्य महानिदेशालय पहुंचे पदाधिकारियों ने इस दौरान फार्मेसी काउंसिल के कामकाज में तेजी लाने के साथ ही आने वाले समय में काउंसिल में होने वाले सुधारों को लेकर भी चर्चा की।

सफल उद्यमी बनने के लिए अध्ययन करना बहुत जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भक्त दर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयहरीखाल में देव भूमि उद्यमिता योजना के तहत आयोजित 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हो गया है। इस मौके पर वरुण कुमार ने सभी छात्र-छात्राओं को नवाचार पर जोर देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि एक सफल उद्यमी बनने के लिए अध्ययन करना बहुत जरूरी है, मूल व्यावसायिक व्यवहारों का ज्ञान लेकर एक सफल उद्यमी बना जा सकता है।

कार्यक्रम नोडल अधिकारी डॉ. विक्रम सिंह ने बताया कि इस योजना के माध्यम से छात्र-छात्राओं को उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं जैसे मार्केटिंग, फाइनेंस, बहीखाता और नवाचार के बारे में प्रशिक्षित किया गया। कहा कि यह योजना युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। रंजना असवाल जो दो वर्षों से इस योजना का लाभ महाविद्यालय से ले रही हैं ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से उन्हें व्यवसाय के नए आयामों को समझने और अपने उद्यम को बढ़ाने में मदद मिली है। छात्र नवनीत ने बताया कि 12 दिन के प्रशिक्षण से उन्हें मार्केटिंग, फाइनेंस और सफल उद्यमियों के अनुभवों से बहुत कुछ सीखने को मिला। डीडीपी से आए हुए सहायक समन्वयक रश्मि ने महाविद्यालय की समस्त टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य छात्र-छात्राओं को बाजार तक पहुंच प्रदान करना है। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. ध्यानी ने श्रम की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि परिश्रम से ही ज्ञान प्राप्त होता है। उन्होंने खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। डॉ. रावत ने स्वरोजगार को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. वी के सैनी ने धरोहरों को संभालने और संवारने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर देव भूमि उद्यमिता योजना से आए हुए परियोजना अधिकारी सरवेंद्र रावत ने छात्र-छात्राओं को उत्पाद की लेबलिंग, ब्रांडिंग और पैकेजिंग में मदद करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रीति रावत सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

महाविद्यालय छात्रों के उज्जवल भविष्य के लिए प्रयासरत

प्राचार्य डॉ. एल.आर. राजवंशी ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

कहा कि देव भूमि उद्यमिता योजना के तहत आयोजित इस कार्यक्रम ने छात्र-छात्राओं को न केवल उद्यमिता के गुर सिखाए, बल्कि उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित भी किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिला और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाने में मदद मिली। महाविद्यालय हमेशा छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रयासरत रहेगा।

भाजपा : जिलाध्यक्ष घोषित, प्रदेश अध्यक्ष चयन की प्रक्रिया शुरू

देहरादून। भाजपा के नए जिलाध्यक्षों का ऐलान होने के साथ ही प्रदेश अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। माना जा रहा है कि जल्द ही चुनाव तिथियों का ऐलान होगा और इसी महीने पार्टी को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। दरअसल, भाजपा ने पिछले साल अक्तूबर में संगठनात्मक चुनावों की प्रक्रिया नए सदस्य बनाने के अभियान के साथ शुरू की थी। उसके बाद मंडल अध्यक्ष और अब जिलाध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया पूरी हो गई है। इसके बाद अब जल्द ही पार्टी के चुनाव अधिकारी प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चुनाव की तिथियों का ऐलान करेंगे और नव नियुक्त जिलाध्यक्ष व प्रांतीय परिषद सदस्यों की ओर से नए प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा।

पार्टी के भीतर पिछले काफी समय से नए प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कई नामों की चर्चा चल रही है। जिसमें मौजूदा अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के रिपीट होने की संभावना के साथ ही प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी, विधायक खजानदास, ज्योति प्रसाद गैरोला, विनोद चमोली आदि के नाम प्रमुख हैं।

19 में से 18 जिलाध्यक्षों का हुआ ऐलान

भाजपा ने सोमवार को अपने 18 सांगठनात्मक जिलों के अध्यक्षों का ऐलान कर दिया। जिसमें उत्तरकाशी नागेंद्र चौहान, चमोली, गजपाल बर्त्वाल, रुद्रप्रयाग भारत भूषण भट्ट, टिहरी उदय सिंह रावत, देहरादून ग्रामीण मीता सिंह, देहरादून महानगर सिद्धांथ अग्रवाल, ऋषिकेश राजेंद्र तड़ियाल, हरिद्वार आशुतोष शर्मा, अल्मोड़ा महेश नयाल, चंपावत गोविंद सामंत, नैनीताल प्रताप सिंह बिष्ट, काशीपुर मनोज पाल और यूएस नगर में कमल कुमार जिंदल को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। जबकि रानीखेत के लिए अभी जिलाध्यक्ष का ऐलान नहीं किया गया है।

बेस अस्पताल में युवक का हंगामा, पकड़ने गई पुलिस के छूटे पसीने

अस्पताल में युवक को पकड़कर ले जाती पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों के साथ अभद्रता की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही। सोमवार को अस्पताल की इमरजेंसी में उपचार के लिए पहुंचे एक युवक ने खूब हंगामा काटा। यही नहीं युवक ने चिकित्सकों के साथ मारपीट तक कर दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस के भी युवक को पकड़ने में पसीने छूट गए। घटना सुबह साढ़े दस बजे की है। एक युवक राजकीय बेस चिकित्सालय की इमरजेंसी में उपचार करवाने पहुंचा था। कक्ष में पहुंचते ही वह चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों पर चिल्लाने लगा। चिकित्सकों ने उसे समझाने का प्रयास किया लेकिन, वह आगबबूला हो उठा और चिकित्सक के साथ अभद्रता करने लगा। यही नहीं युवक ने वहां तैनात नर्सिंग अधिकारी रेनू व अरविंद पर भी हमला कर दिया।

युवक के उत्पात के बाद कुछ देर के लिए इमरजेंसी को बंद रखना पड़ा। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस युवक को पकड़कर ऑटो में बैठाकर ले जाने लगी तो वह पुलिस से ही अभद्रता करने लगा। युवक ने अपनी कमीज उतारी और अस्पताल में हंगामा कर दिया। बड़ी मशक्कत के बाद पुलिस युवक को कोतवाली लेकर आई। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता में महिला मंगल दल डांग रहा विजेता

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कफोलस्यू विकास समिति द्वारा अगरोडा में होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान महिला रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता व ग्रामीणों के लिए आंखों की उपचार के लिए कैंप का भी आयोजन किया गया।

कफोलस्यूं विकास समिति द्वारा अगरोडा में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ राज्य गो सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अणंथ्वाल ने किया। उन्होंने समिति द्वारा किए जा रहे इस तरह के कार्यक्रम की सराहनों की। कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से ग्रामीणों को कई जानकारियां मिलती है। इस दौरान आयोजित महिला रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता में डांग ने पहला, ध्वीली ने दूसरा स्थान हासिल किया। कार्यक्रम में सतपुली से आए होल्यारों की टीम ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर ग्रामीणों का मन मोह लिया। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्ट्राल लगाकर विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में हंस फाउंडेशन द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविर में 91 लोगों के नेत्र जांच करते हुए 23 को ऑपरेशन का परामर्श दिया गया। जबकि स्वास्थ्य विभाग द्वारा 76 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। होली मिलन समारोह के संयोजक समाजिक कार्यकर्ता हेमंत मोहन बिष्ट ने बताया कि रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता में 14 टीमों ने प्रतिभाग किया। जिसमें महिला मंगल दल डांग विजेता और ध्वीली बिष्ट उप विजेता रहा। प्रतियोगिता निर्णायक मंडल में कै. महावीर रावत, भीम सिंह बिष्ट, सुभाष गुसाईं, भूपेंद्र सिंह नेगी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस मौके पर विवेक उपाध्याय परियोजना निदेशक डीआरडीए, जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, तहसीलदार दिवान सिंह राणा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विशाल शर्मा, खंड विकास अधिकारी कल्जीखाल गंगा प्रसाद लखेड़ा, एसडीओ विद्युत विभाग गोविंद सिंह रावत, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग सुनीता तोपाल सहित ग्राम पंचायत अगरोड़ा प्रशासक कविंद्र सिंह बिष्ट, प्रशासक मल्ली पल्ली जयवीर रावत, महावीर सिंह, सूबेदार मातवर सिंह, रणवीर सिंह बिष्ट, अर्जुन सिंह रावत, पूर्व प्रधान बीरेंद्र सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

उत्तराखण्ड में डेस्टिनेशन वेडिंग को बढ़ावा देने की तैयारी

त्रियुगी नारायण में हेलीपैड और सड़क कनेक्टिविटी को मिलेगा सुधार

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर उत्तराखण्ड में डेस्टिनेशन वेडिंग को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने त्रियुगी नारायण में सड़क कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के साथ ही वहां हेलीपैड के निर्माण का आदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि राज्य में डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए नए स्थानों की पहचान की जाए और उनके विकास पर ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी देशवासियों से उत्तराखण्ड को डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डेस्टिनेशन वेडिंग से राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उत्तराखण्ड का प्राकृतिक सौंदर्य और आधुनिक सुविधाएं इसे एक प्रमुख वेडिंग डेस्टिनेशन बनाने में सहायक होंगी। उन्होंने पर्यटन विभाग को ह्लडेस्टिनेशन उत्तराखण्डह्व के लिए शीघ्र गाइडलाइन तैयार करने के निर्देश दिए। इस बैठक में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, उपाध्यक्ष अवस्थापना अनुश्रवण परिषद विश्वास डाबर, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, श्री आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली, सचिन कुर्वे, अपर पुलिस महानिदेशक वी. मुरूगेशन, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पाण्डेय और आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप उपस्थित रहे।

सचिवालय में वाहन चालक का हंगामा

देहरादून। सचिवालय में सोमवार दोपहर को सीएम बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर के एंट्री प्वाइंट के पास एक वाहन चालक ने अचानक हंगामा शुरू कर दिया। ठीक उसी समय सीएम पुष्कर सिंह धामी सचिवालय में सीएम बिल्डिंग में प्रवेश कर रहे थे। सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल हरकत में आते हुए हंगामा करने वाले वाहन चालक को किनारे कर दिया। अब पड़ताल शुरू कर दी गई है। सचिवालय में सीएम धामी के प्रवेश करते हुए राज्य संपत्ति के वाहन चालक वीरेंद्र भट्ट सुरक्षा कर्मियों के पास खड़े थे। इस दौरान अचानक वे तेज आवाज में संकट संकट बोलने लगे।

उक्रांद ने विधायक चमोली के आवास पर किया प्रदर्शन

देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) ने सोमवार को देहरादून में धर्मपुर विधायक विनोद चमोली के आवास पर प्रदर्शन किया। दल ने भाजपा नेताओं पर समाज में अशांति फैलाने का आरोप लगाया। वक्ताओं ने कहा कि दल की ओर से राष्ट्रीय पार्टियों के खिलाफ आंदोनल की शुरुआत कर दी है। केंद्रीय अध्यक्ष पूरन सिंह कठैत के नेतृत्व में काफी संख्या में कार्यकर्ता विधायक चमोली के नेहरू कॉलोनी स्थित आवास के बाहर जुटे और नारेबाजी की। यहां कठैत ने कहा कि यह अत्यंत ही खेदजनक बात है कि भाजपा नेता जाति, धर्म, वर्ग विशेष पर जानबूझकर अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, ताकि जनता का ध्यान परिसीमन, मूल– निवास, भू कानून जैसे मुद्दों से हट जाए। संसदीय मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल पहाड़वासियों के खिलाफ विधानसभा में अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं। यह एक सोची समझी चाल है। केंद्रीय महामंत्री किरन रावत कश्यप ने कहा कि भाजपा राज्य आंदोलन को भुला देना चाहती है, ताकि वो जाति और धर्म के आधार पर आसानी से सत्ता पर काबिज हो सके। बताया कि अब दल मसूरी विधायक गणेश जोशी के आवास का घेराव करेगा। केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रमिला रावत ने कहा पहाड़ियों के अपमान को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इंजीनियरों ने स्मार्ट मीटर के फायदे गिनाएं

नई टिहरी। डीएम मयूर दीक्षित ने कलेक्ट्रेट सभागार में ऊर्जा निगम द्वारा लगाए जाने वाले स्मार्ट मीटर के बारे में एक महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में ऊर्जा निगम के इंजीनियरों ने स्मार्ट मीटर के कई फायदे बताए। यह मीटर उपभोक्ताओं की सुविधा बढ़ाने और बिजली की खपत को तर्कसंगत बनाने के उद्देश्य से लगाए जा रहे हैं। इस योजना के तहत टिहरी जनपद में लगभग 23,500 स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे, जिनमें नगर पालिका क्षेत्र टिहरी, चम्बा और मुनि की रेती शामिल हैं। स्मार्ट मीटर इंटरनेट के माध्यम से हर महीने की रीडिंग का डेटा सीधे यूपीसीएल के बिलिंग सिस्टम तक पहुंचाएगा। इससे उपभोक्ताओं को सही और समय पर बिल मिलेगा। साथ ही, मीटर रीडिंग में होने वाली गलतियों और देरी से भी निजात मिलेगी। अब उपभोक्ताओं को मीटर रीडर का इंतजार नहीं करना होगा। इसके अतिरिक्त, एक मोबाइल ऐप भी विकसित किया जा रहा है, जिससे उपभोक्ता अपने दैनिक विद्युत खर्च का ब्यौरा घर बैठे देख सकेंगे। इससे उपभोक्ताओं को अपने खर्च को नियमित करने में सुविधा होगी। स्मार्ट मीटर से यूपीसीएल को यह डेटा मिलेगा कि किस क्षेत्र में लो–वोल्टेज की समस्या हो रही है, जिसे दूर करने के लिए सुधार कार्य किए जा सकेंगे।

मीटर की स्क्रीन पर उपभोक्ताओं को मीटर से संबंधित पूरी जानकारी मिलती रहेगी, जिससे उन्हें अपनी बिलिंग संबंधी जानकारी के लिए इधर–उधर भटकने की जरूरत नहीं पड़ेगी। स्मार्ट मीटर की वजह से बेहतर शिकायत प्रबंधन, पारदर्शिता और विश्वसनीयता के साथ उपभोक्ता की संतुष्टि बढ़ेगी।

स्कूलों में युवाओं को स्वास्थ्य के साथ संस्कारों से समृद्ध करना भी जरूरी: धन सिंह

देहरादून। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में किशोरों को स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ संस्कारों से भी पोषित करना होगा। छात्रों के समग्र विकास के लिए स्कूलों के साथ अभिभावकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों की सहभागिता भी बेहद जरूरी है। सोमवार को राजपुर रोड स्थित एक होटल में आयोजित राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम की वार्षिक परियोजना समीक्षा बैठक व कार्यशाला में शिक्षा मंत्री ने यह बात कही। आज से शुरू हुई इस चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद–एनसीईआरटी और राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रषिक्षण परिषद–एससीईआरटी ने किया है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि आज के बच्चे ही देश के भविष्य के नागरिक, कर्णधार हैं। उनके व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिए उन्हें स्वतंत्र संस्कारित और तनावमुक्त वातावरण दिया जाना जरूरी है। उत्तराखंड इस दिशा में गंभीरता से काम कर रहा है। हाल में सरकार के कुछ फैसलों का जिक्र करते हुए डॉ. रावत ने कहा कि राज्य में बच्चों की शिक्षा के साथ स्वास्थ्य सुरक्षा पर विशेष तौर पर काम किया जा रहा है। छात्रों के समग्र विकास में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। अभिभावक अपने बच्चों को उज्जवल भविष्य की उम्मीद में स्कूल में छोड़ते हैं। यहां से शिक्षकों की जिम्मेदारी शुरू हो जाती है। एनसीईआरटी की कार्यक्रम समन्वयक गौरी श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक प्रो. श्रीधर श्रीवास्तव, बेसिक शिक्षा निदेशक अजय नौडियाल, अपर निदेशक–एससीईआरटी प्रदीप कुमार रावत ने भी विचार रखे। इस दौरान सहायक निदेशक डॉ. केएन बिजलवान ,कार्यक्रम समन्वयक नीलम पवार उषा कटियार ,सुनील भट्ट, देवराज सिंह राणा, प्रो.हरीश मीणा आदि भी मौजूद रहे। कार्यशाला में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 75 से अधिक प्रतिभागी प्रतिभागी कर रहे हैं।

दिसम्बर माह से वेतन न मिलने से आंगनबाड़ी कार्यकर्ती नाराज

देहरादून। आंगनबाड़ी कार्यकर्ती, सेविका, मिनी कर्मचारी संगठन ने दिसम्बर माह से वेतन न मिलने पर नाराजगी जताते हुए मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया है। प्रदेश अध्यक्ष रेखा नेगी ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता लगातार अपनी समस्याओं को लेकर उन तक मांग पत्र पहुंचाते आ रहे हैं। लेकिन सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही। दूसरी तरफ सरकार लगातार आंगनबाड़ी फेस कैपचरिंग से लेकर लगातार काम कर रही है, मानदेय न मिलने से परिवार के सामने आर्थिक दुश्वारियां आ रही है। वेतन न मिलने से घर चलाना मुश्किल हो रहा है। मोबाइल रिचार्ज नहीं करवा पा रही हैं। जबकि उनके कार्य में मोबाइल का काम बढ़ गया है।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने 21 खाद्य पदार्थों के नमूने लिए, 14 को नोटिस

नई टिहरी। त्योहारों के सीजन में मिलावटी खाद्य पदार्थों की रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने जनपद में सघन चैकिंग अभियान चलाया।

विभाग ने पिछले तीन दिनों में जिले के विभिन्न कस्बों में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 21 खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए लैब भेजे हैं। इस दौरान कुल 37 प्रतिष्ठानों की सघन चेकिंग की गई। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी शारदा शर्मा ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि बीते शनिवार से लेकर लगातार टिहरी जनपद के धनोल्टी, चंबा, नई टिहरी, कोटी कालोनी, जागधार, पडागली, पिलखी और घनसाली कस्बों में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जिला अभिहित अधिकारी प्रमोद रावत के नेतृत्व में अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य खाद्य कारोबारियों को जागरूक करना और मिलावट के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करना था।

इस निरीक्षण के दौरान मिठाई, दूध, खाद्य तेल, बेकरी खाद्य सामग्री, मैदा, सूजी, बेसन, चिप्स, नमकीन और मसाले जैसे कुल 21 खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर उन्हें जांच के लिए लैब भेजा गया। जांच रिपोर्ट नेगेटिव आने पर संबंधित प्रतिष्ठानों पर विधिक कार्यवाही की जाएगी। शारदा शर्मा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान 14 खाद्य कारोबारियों को सफाई की कमी और खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन न करने पर नोटिस जारी किए गए हैं। अगर वे संतोषजनक जवाब नहीं देते हैं, तो उनके खिलाफ आगे की विधिक कार्यवाही की जाएगी।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने किया एक दिवसीय रेशम कृषि मेले का शुभारंभ

देहरादून। सूबे के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने आज क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान केंद्र, केंद्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार, सहसपुर–देहरादून एवं भीमताल–नैनीताल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय रेशम कृषि मेले का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर मंत्री ने रेशम विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने मंत्री को ककून की माला भेंट की। इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने रेशम के क्षेत्र उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को सम्मानित भी किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान केंद्र सहसपुर–देहरादून द्वारा प्रकाशित पुस्तक का विमोचन भी किया। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तराखंड की पर्यावरणीय अनुकूलता को देखते हुए ग्रामीण आर्थिकी को सुदृढ़ करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और पलायन रोकने में रेशम उद्योग महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह किसानों द्वारा कृषि, पशुपालन जैसे अन्य कार्यों के साथ आसानी से किया जा सकता है और आर्थिक रूप से लाभदायक साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड बाईवोल्टीन रेशम कोया उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है, जिसकी गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय स्तर की है। खासतौर पर राज्य के मैदानी और तराई क्षेत्र इस प्रजाति के कोया उत्पादन के लिए उपयुक्त हैं। वहीं, दूरस्थ पर्वतीय अंचलों में ओक टसर, मूगा और एरी रेशम जैसे वन्या रेशम उत्पादन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इस पहल से स्थानीय लोगों को अपने ही गांवों में रोजगार मिलेगा और पलायन की समस्या को भी कम करने में सहायता मिलेगी। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि इस वर्ष से "रेशम ककून क्राफ्ट" योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना के तहत महिला रेशम कृषक रेशम कोयों से आकर्षक और मनमोहक ककून क्राफ्ट उत्पादों का निर्माण कर रही हैं, जो बाजार में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इससे न केवल किसानों की आय में वृद्धि हो रही है, बल्कि उत्तराखंड के रेशम उद्योग को नई पहचान भी मिल रही है। कृषि मंत्री ने बताया कि उत्तराखंड में रेशम उत्पादन को बढ़ाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों को वृक्षारोपण, कीटपालन भवन और कीटपालन उपकरणों जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इसके साथ ही, रेशम कीटपालकों को प्रशिक्षित करने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे उनकी दक्षता और क्षमता में वृद्धि हो सके। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि उत्तराखंड को देश में रेशम उत्पादन के हब के रूप में स्थापित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को रेशम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के प्रचार प्रसार पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सरकार तकनीकी उन्नयन, प्रशिक्षण और अनुदान सहायता के माध्यम से किसानों को प्रोत्साहित कर रही है। आने वाले वर्षों में उत्तराखंड के रेशम उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचेंगे और इससे राज्य की आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।उन्होंने कहा कि राज्य में रेशम उद्योग के सर्वांगीण विकास के लिए किसानों, विभाग और सरकार की संयुक्त जिम्मेदारी है, जिसे सभी को निष्ठा और ईमानदारी से निभाना होगा। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार उनके हितों की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहेगी।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com